शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 211 | गुवाहाटी | शनिवार, 7 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

युद्ध के बीच ईरान में मचा कोहराम, सात दिन में 1332 मौतें और 3000 घर हुए तबाह पेज 2
मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रास चुनाव में एआईयूडीएफ से मांगा ... पेज 3
पंजाब में बजट से पहले सस्ती हुई बिजली, जारी रहेगी मुफ्त बिजली योजना पेज 5
ईरान के फीफा विश्वकप में भाग लेने की संभावना नहीं, इराक या... पेज 7

असम विस चुनाव को बाधित कर सकते है अल्फा (आई)-रोहिंग्या

सुरक्षा थिंक टैंक ने दी चेतावनी

गुवाहाटी। एक सुरक्षा थिंक टैंक ने चेतावनी दी है कि कई उग्रवादी समूहों का एक संभावित गठबंधन आगामी असम विधानसभा चुनावों को बाधित करने का प्रयास कर सकता है। सेंटर फॉर नॉर्थ ईस्ट इंडिया सिक्योरिटी स्टडीज (सीएनआईएसएस) ने कहा कि इस गठबंधन में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट), बांग्लादेशी कबायली सशस्त्र समूह परबत्तिया चट्टाग्राम जन समहति समिति (पीसीजेएसएस), अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (एआरएसए) और रोहिंग्या सॉलिडेरिटी ऑर्गनाइजेशन (आरएसओ) शामिल हो सकते हैं। सीएनआईएसएस के स्वपन देबबर्मा ने कहा कि 9-11 दिसंबर 2025 को बांग्लादेश के डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फोर्सेज इंटेलिजेंस (डीजीएफआई) और पाकिस्तान की आईएसआई ने कथित तौर पर कॉक्स बाजार में एआरएसए, आरएसओ, अल्फा (आई) और पीसीजेएसएस के बीच दो दिवसीय मैराथन बैठक का आयोजन किया। देबबर्मा ने आरोप लगाया कि भारत के पूर्वोत्तर में विद्रोही समूहों को रोहिंग्या उग्रवादी नेटवर्क और -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा की यात्रा में भारी जनभागीदारी, सीएम ने डिब्रूगढ़ में मंडल कार्यालय का उद्घाटन किया

डिब्रूगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जन आशीर्वाद यात्रा के पांचवें दिन ऊपरी असम में भारी जनभागीदारी देखी गई, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अभियान को मिली प्रतिक्रिया उम्मीदों से कहीं अधिक रही है। शुक्रवार को पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रा में भाग लेने वाली भीड़ पार्टी की शुरुआती अपेक्षा से कहीं अधिक थी। आशीर्वाद यात्रा में हमारी कल्पना से कहीं अधिक लोग शामिल हुए हैं, शर्मा ने बढ़ते जनसमर्थन पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा। दिन भर के कार्यक्रमों के अंतर्गत, मुख्यमंत्री ने डिब्रूगढ़ के जीवन फुकन नगर में भाजपा के आधुनिक छह मंजिला मंडल कार्यालय का उद्घाटन किया, जो ऊपरी असम में पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक विकास का प्रतीक है। नवनिर्मित कार्यालय क्षेत्रीय मुख्यालय के रूप में कार्य करेगा और क्षेत्र के आठ जिलों में पार्टी की गतिविधियों की देखरेख करेगा। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री सरबानंदा सोनोवाल, भाजपा के असम प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, मंत्री प्रशांत फुकन, विधायक विनोद हजारिका और चक्रधर गोगोई के साथ-साथ बड़ी संख्या में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में बोलते हुए शर्मा ने असम के प्रशासनिक और -शेष पृष्ठ दो पर

यूपीएससी में डॉ. अनुज ने ऑल इंडिया टॉप कर राजस्थान का नाम किया रोशन

जयपुर (हि.स.)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। डॉ. अनुज अग्निहोत्री ने ऑल इंडिया टॉप करके राजस्थान का नाम रोशन किया है। मेडिकल पृष्ठभूमि से आने वाले डॉ. अनुज पहले भी यूपीएससी परीक्षा पास करके दिल्ली में एसडीएम के पद पर नियुक्ति पा चुके हैं। चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा निवासी डॉ. अनुज अग्निहोत्री का चयन वर्ष 2023 में पहले प्रयास में ही दिल्ली एवं केंद्र शासित प्रदेश सिविल सेवा में हुआ था और उन्हें दिल्ली में एसडीएम के पद पर नियुक्ति मिली थी। उन्होंने दिसंबर, 2024 में इस पद पर जॉइन किया था। इसके बाद उन्होंने फिर से यूपीएससी परीक्षा दी और अपने तीसरे प्रयास में ऑल इंडिया टॉप कर लिया। दूसरे -शेष पृष्ठ दो पर

असम रास चुनाव एआईयूडीएफ ने दो एमएलए को किया सस्पेंड

गुवाहाटी। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) ने आगामी असम विधानसभा चुनावों से पहले असम गण परिषद (अगप) में शामिल होने की योजना की खबरों के बाद अपने दो विधायकों सहित तीन नेताओं को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए छह साल के लिए निलंबित कर दिया है। अगप भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सदस्य पार्टी है। निलंबित किए -शेष पृष्ठ दो पर

असम विस चुनाव में पवित्र मार्गेरिटा को मैदान में उतारने की कोई योजना नहीं है : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। आगामी असम विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक अटकलें तेज होने के बीच, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्गेरिटा के जोरहाट निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की संभावना को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा की फिलहाल उन्हें राज्य की राजनीति में लाने की कोई योजना नहीं है। शुक्रवार को नाहरकटिया से जन आशीर्वाद यात्रा के पांचवें दिन को हरी झंडी दिखाने से पहले प्रेस से बात करते हुए, शर्मा ने कहा कि पार्टी चाहती है कि मार्गेरिटा नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में बने रहें, जहां वे वर्तमान में विदेश मामलों के राज्य मंत्री के रूप में कार्यरत हैं। पवित्र मार्गेरिटा भारत की केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री हैं। यह सौभाग्य की बात है -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कार्य का स्वरुप निर्धारित हो जाने के बाद वह कार्य लक्ष्य बन जाता है।

- आचार्य चाणक्य

आईएमडी ने राज्य में शुष्क मौसम का लगाया पूर्वानुमान

सप्ताह के अंत में हल्की बारिश की जताई संभावना

गुवाहाटी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को असम में अगले कुछ दिनों तक मुख्य रूप से शुष्क मौसम रहने का अनुमान लगाया है, हालांकि सप्ताह के अंत में धीरे-धीरे बारिश होने की संभावना है। गुवाहाटी स्थित आईएमडी के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, राज्य के अधिकांश हिस्सों में 6 मार्च को शुष्क मौसम रहने की स्थिति रहने की संभावना है। 8 मार्च से बारिश की गतिविधि में थोड़ी तेजी आने की उम्मीद है, और राज्य भर में छिटपुट स्थानों पर हल्की संभावना है और अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा। हालांकि, 7 मार्च को असम के कुछ अलग-थलग इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है, लेकिन अधिकांश क्षेत्रों में शुष्क -शेष पृष्ठ दो पर

कार्बी आंग्लांग में सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट क्रैश, दोनों पायलटों की मौत

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, राहुल गांधी ने जताया दुख

कार्बी आंग्लांग (हि.स.)। असम के कार्बी आंग्लांग जिले के पहाड़ी इलाके में गुरुवार देर शाम को सुखोई-30 एमकेआई फाइटर एयरक्राफ्ट के क्रैश होने से दोनों पायलटों की मौत हो गई। दोनों की पहचान स्क्वाड्रन लीडर अनुज और को-पायलट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुरागकर के रूप में हुई है। लेफ्टिनेंट पूर्वेश आईएएफ के फ्लाइंग नेविगेटर थे। हादसे की आधिकारिक जानकारी आईएएफ ने सोशल मीडिया एक्स के जरिए दी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने असम के कार्बी आंग्लांग जिले में हुए लड़ाकू विमान हादसे में वायु सेना के दो पायलटों की शहादत पर दुख व्यक्त किया। दुर्घटना स्थल से दोनों वायु सैन्य कर्मियों के शव मिल गए हैं। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की एक्स पोस में भारतीय वायु सेना ने स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुर्वेश दुरागकर के निधन की जानकारी दी गई है। कहा गया है कि दोनों को सुखोई-30 दुर्घटना में घातक चोटें आईं। आईएएफ ने कहा है कि इस हादसे पर भारतीय वायु सेना के समस्त कर्मी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

इजराइल-ईरान संघर्ष केंद्र ने न्यूज चैनलों की टीआरपी पर लगाई रोक

नई दिल्ली (हि.स.)। इजराइल-ईरान संघर्ष के दौरान टीवी न्यूज चैनल द्वारा अनावश्यक सनसनीखेज और अनुमानित सामग्री प्रसारित करने के मद्देनजर केंद्र सरकार ने न्यूज चैनल के टेलीविजन रेटिंग पॉइंट्स (टीआरपी) की रिपोर्टिंग पर चार सप्ताह के -शेष पृष्ठ दो पर

भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा पर राजनाथ ने जताई चिंता

कोलकाता (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के कारण उत्पन्न अस्थिरता के खतरे अब धीरे-धीरे नया सामान्य बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भूमि, समुद्र और आकाश के साथ-साथ अंतरिक्ष तक में बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा चिंता का विषय है। उन्होंने विशेष रूप से खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका, इसरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी -शेष पृष्ठ दो पर

मतदाता सूची विवाद पर धरने पर बैठीं ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता के धर्मतला स्थित मेट्रो चैनल पर एक बार फिर चुनाव आयोग के खिलाफ धरने पर बैठ गई हैं। उन्होंने धरना देते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में जीवित लोगों को मृत घोषित किया गया है। धरना मंच से मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन 22 लोगों को मतदाता सूची में मृत बताया गया है, उन्हें मंच -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक में 16 साल से कम उम्र के बच्चे नहीं चला सकेंगे व्हाट्सएप-इंस्टाग्राम

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आज शुक्रवार, 6 मार्च को राज्य में मोबाइल इस्तेमाल के बुरे असर पर को कम करने के लिए एक बड़ा एलान किया है। मुख्यमंत्री ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया एक्सेस पर बैन लगाने की बात कही है। सीएम सिद्धारमैया ने फाइनेंशियल ईयर 2026-27 के लिए 4.48 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। इस बजट में टेक्नोलॉजी से चलने वाली लर्निंग पहलों को रेगुलेटरी उपायों के साथ मिलाकर सुधारों का एलान किया गया है, ताकि बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा दी जा सके। सीएम सिद्धारमैया ने राज्य में 16 साल के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने की बात कही है। राज्य में जब यह नियम लागू होगा, तब कर्नाटक बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। सिद्धारमैया ने कहा कि बच्चों पर बढ़ते मोबाइल इस्तेमाल के बुरे असर को रोकने के लिए 16 साल से कम उम्र के -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार की सियासत में नया अध्याय

नीतीश की विरासत संभालेंगे बेटे निशांत, जेडीयू में आज होगी एंट्री

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार शनिवार को जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल होंगे और संभवत: उन्हें बिहार का उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के एक दिन बाद सामने आया है। जेडीयू के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने लगातार मांग की है कि निशांत को राजनीति में -शेष पृष्ठ दो पर

कोई समझौता नहीं, ईरान को बिना शर्त सरेंडर करना होगा : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को ईरान पर अपना रुख और कड़ा कर दिया। ट्रंप ने दो टूक कह दिया कि ईरान के साथ कोई समझौता नहीं होगा, और उसे बिना शर्त आत्मसमर्पण करना होगा। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के अगले सर्वोच्चा नेता के चयन की प्रक्रिया में उन्हें शामिल किया जाना चाहिए। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले लगातार जारी हैं तथा इन हमलों के जवाब में ईरान ने भी क्षेत्र में इजराइल एवं अमेरिकी ठिकानों पर हमले जारी रखे हैं। ट्रंप ने कहा कि ईरान पर हमलों में मारे गए अयातुल्ला अली खामेनेई के स्थान पर उनके बेटे मोजतबा खामेनेई का सर्वोच्च नेता के तौर पर चयन अस्वीकार्य होगा। ईरान और अमेरिका-इजराइल गठबंधन के बीच संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है, मध्य पूर्व में लगातार सातवें दिन भी प्रत्यक्ष सैन्य टकराव जारी है और तनाव कम होने के कोई तत्काल संकेत नहीं दिख रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, पिछले छह दिनों में ईरान में इस युद्ध में मरने वालों की संख्या 1,200 से अधिक हो गई है, लेबनान में 70 से अधिक और -शेष पृष्ठ दो पर

बंपर जीत की ओर बालेन शाह नेपाल में अबकी बार जेन-जी सरकार

काठमांडु। नेपाल में 2026 के प्रतिनिधि सभा चुनावों के लिए मतगणना 5 मार्च को शाम 5 बजे मतदान समाप्त होने के बाद शुरू हुई। यह पिछले साल केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को सत्ता से हटाने वाले हिंसक जनरेशन जेड के विरोध प्रदर्शनों के बाद देश के पहले आम चुनावों में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। प्रारंभिक परिणामों से पता चलता है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) 70 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है, जबकि पारंपरिक रूप से मजबूत दल नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल केवल छह-छह सीटों के साथ पिछड़ रहे हैं। यह नेपाल के अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य में एक संभावित बड़े बदलाव का संकेत है। चुनाव आयोग को शुक्रवार रात (6 मार्च) तक पूरी मतगणना पूरी होने की उम्मीद है। पिछले साल की अशांति के बाद संस्थानों में जनता का विश्वास कम होने के बाद पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मतदान केंद्रों पर मतगणना जारी है और कड़ी निगरानी रखी जा रही -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

युद्ध के बीच ईरान में मचा कोहराम, सात दिन में 1332 मौतें और 3000 घर हुए तबाह

नई दिल्ली। ईरान और इजरायल, अमेरिका के बीच युद्ध को आज सात दिन चुके हैं। इस युद्ध को लेकर खबर सामने आई है कि ईरान में मरने वालों की संख्या 1332 हो गई है, जबकि 3,000 से ज्यादा घर तबाह हुए हैं। शुक्रवार की रात ईरान की राजधानी तेहरान के लिए किसी दु:स्वप्न से कम नहीं थी। शहर के पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में धमाकों की गूंज इतनी तेज थी कि मीलों दूर तक धरती कांप उठी। विशेष रूप से तेहरान विश्वविद्यालय और आसपास के रिहायशी इलाकों को भारी नुकसान पहुंचा है। शिराज के जीबाशहर में हुए एक हमले ने रोंगटे खड़े कर दिए हैं, जहां एक ही झटके में 20 लोगों की जान चली गई। इसके अलावा इस्फहान और करमनशाह जैसे शहर भी आग की लपटों में घिरे हुए हैं। अमेरिकी और इजरायली सेना ने अब ईरान के सत्ता ढांचे और उसकी मिसाइल क्षमता को जड़ से खत्म करने के लिए *फेज-2* शुरू कर दिया है। अमेरिकी द्वारा बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स के जरिए जमीन के अंदर गहराई में छिपे मिसाइल लॉन्चर्स को नष्ट करने के लिए 2,000 पाउंड के *पेनिट्रेटर* बम गिराए जा रहे हैं। वहीं इजरायल ने आधुनिक रक्षा प्रणालियों और 6 प्रमुख लॉन्चर्स को तबाह करने का दावा किया है। भविष्य को लेकर अमेरिकी रक्षा सचिव ने साफ किया है कि यह तो बस शुरुआत है,आने वाले दिनों में फाइटर स्क्वाड्रन और बॉम्बर पल्स की संख्या में भारी इजाफा किया जाएगा। ईरान में हताहतों के आंकड़े रूह कंपा देने वाले हैं। अब तक 1,332 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 181 मासूम बच्चे शामिल हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, मीनाब में एक गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले ने सबसे ज्यादा जख्म दिए हैं। पूरे ईरान में अब तक 3,000 से अधिक घर और 14 अस्पताल मलबे में तब्दील हो चुके हैं। वहीं, इजरायल में भी 11 मौतें दर्ज की गई हैं और सैंकड़ों लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। जंग की आग अब पड़ोसी देशों तक फैल गई है। बहरीन ने दावा किया है कि उसने अपनी सीमा में घुस रहे ईरान के 78 मिसाइलों और 143 ड्रोन्स को मार गिराया है। बहरीन ने इसे ईरान का *विश्वासघाती* कृत्य बताया है, जिससे खाड़ी देशों में तनाव चरम पर है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलहाल जमीनी सेना भेजने से इनकार किया है। उनका मानना है कि ईरान अपनी नौसेना और ताकत खो चुका है, इसलिए पैदल सेना भेजना *समय की बर्बादी* होगी। हालांकि, ईरान ने पलटवार करते हुए इसे अमेरिका के लिए *ऐतिहासिक आपदा* करार दिया है। इस बीच, रॉयटर्स की एक रिपोर्ट ने सनसनी फैला दी है। अमेरिकी सैन्य जांचकर्ताओं को संदेह है कि मीनाब के स्कूल पर हुआ घातक हमला अमेरिकी बलों की गलती हो सकती है।

भेदभाव-स्वार्थ त्यागकर देश के लिए समर्पित हों : भागवत

जैसलमेर (हि.स.)। राजस्थान के जैसलमेर में दादा गुरुदेव आचार्य श्री जिनदत्त सूरी के 871वें चादर महोत्सव के अवसर पर सामाजिक समरसता का अनुपम दृश्य देखने को मिला। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जैन और सनातन परंपरा के संतों सहित समाज के सभी वर्गों के लोगों का संगम हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत भी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम पूर्णत: समरसता और सामाजिक एकता के भाव पर आधारित था, जिसमें गच्छाधिपति जिनमणिप्रभ सागर के नेतृत्व में धर्म, तीर्थ एवं संस्कृति की रक्षा का संकल्प दोहराया गया। इस अवसर पर डॉ. भागवत ने समाज से केवल उपदेशों तक सीमित न रहकर आचरण में परिवर्तन लाने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से कहा कि अपने मित्रों और परिचितों के दायरे में विभिन्न जातियों, पंथों, भाषाओं और प्रदेशों के लोगों को शामिल करें। जब हम सुख-दुख, खान-पान और सामाजिक जीवन साझा करेंगे, तभी वास्तविक सामाजिक शक्ति प्रकट होगी। डॉ. भागवत ने भारतीय संस्कृति की चिरंतनता, विविधता में एकता और सामाजिक समरसता पर प्रकाश डाला। उन्होंने दादा गुरुदेव आचार्य जिन दत्त सूरी की 871 वर्ष पुरानी चादर को भारत की सनातन संस्कृति की जीवटता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह चादर उस सत्य का प्रतीक है जिसे न अग्नि जला सकती है, न शस्त्र काट सकते हैं और न ही जल भिगो सकता है। यह हमारे पूर्वजों द्वारा पहचाने गए उस शाश्वत सत्य का प्रमाण है जो सर्वत्र विद्यमान है। उन्होंने सभी को यह संकल्प दिलाया कि यदि हम आपसी भेदभाव और स्वार्थ को त्यागकर देश के लिए समर्पित हो जाएं, तो भारत न केवल परम वैभव संपन्न राष्ट्र बनेगा बल्कि एक विश्वगुरु के रूप में संपूर्ण मानवता को शांति और समृद्धि का मार्ग दिखाएगा। डॉ. भागवत ने जैन दर्शन के अनेकांतवाद सिद्धांत की सराहना करते हुए कहा कि सत्य इतना व्यापक है कि उस तक पहुंचने के मार्ग अलग-अलग होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि विविधता वास्तव में एकता का शृंगार और उत्सव है, न कि विभाजन का कारण। अपने भाषण में उन्होंने एक रेल यात्रा की मार्मिक घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि समाज में झगड़े और संघर्ष इसलिए होते हैं क्योंकि लोग एक-दूसरे को पहचान नहीं पाते और अपने एकत्व के भाव को भूल जाते हैं।

चूरू में कल जुटेगा रणबांकुरों का मेला

जयपुर (हिंस)। भारतीय सेना की सप्त शक्ति कमान (रणबांकुरा डिवीजन) द्वारा आगामी 08 मार्च को चूरू के साई स्पोर्ट्स स्टेडियम में भव्य *गौरव सेनानी समारोह* का आयोजन किया जाएगा। इस गौरवशाली रैली में जिले की सभी आठ तहसीलों से 6 हजार से अधिक पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और वीरांगनाओं के जुटने की संभावना है। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी कर्नल निखिल धवन के अनुसार, समारोह में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मंजिंदर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। वर्तमान वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच यह आयोजन पूर्व सैनिकों की *द्वितीय रक्षा पंक्ति* के रूप में भूमिका और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को रेखांकित करेगा। समारोह के दौरान आधुनिक सैन्य उपकरणों की प्रदर्शनी और सेना की गौरवशाली परंपराओं को दर्शाते सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सेना इस मंच के जरिए अपने पूर्व सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके कल्याण के संकल्प को दोहराएगी।

रेलवे स्टेशन पर मधुमक्खियों का हमला, दो महिलाओं को एम्बुलेंस टीम ने किया रेस्क्यू

नागौर (हिंस)। जिले के मारवाड़ मूंडवा रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार दोपहर अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने यात्रियों पर हमला कर दिया। इस घटना से स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। मधुमक्खियों ने कई यात्रियों को डंक मारे, जबकि दो महिला यात्रियों को सैकड़ों मधुमक्खियों ने घेर लिया। काफी देर तक दोनों महिलाएं खुद को बचाने के लिए शॉल और चद्दर ओढ़कर बैठी रहीं। यात्री ऋषिकेश-बाड़मेर एक्सप्रेस ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मधुमक्खियों का झुंड स्टेशन पर आ गया और वहां मौजूद लोगों पर हमला कर दिया। इससे यात्री इधर-उधर भागने लगे और स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मधुमक्खियों के हमले के दौरान एक महिला ने खुद को बचाने के लिए चद्दर ओढ़ ली और काफी देर तक वहीं बैठी रही, लेकिन मधुमक्खियों ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। इस दौरान आसपास मौजूद यात्रियों ने उसकी मदद करते हुए एक और चद्दर उसकी तरफ फेंकी, जिसे ओढ़कर उसने किसी तरह खुद को सुरक्षित रखने की कोशिश की।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में उत्तीर्ण हुए असम के तीन छात्र

गुवाहाटी। हाल ही में घोषित अंतिम परिणामों के अनुसार, असम के तीन उम्मीदवारों ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफलता प्राप्त की है। देश की सबसे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में से एक मानी जाने वाली यह परीक्षा अगस्त 2025 में आयोजित की गई थी, जबकि व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) दिसंबर 2025 और फरवरी 2026 के बीच आयोजित किया गया था। असम से सफल उम्मीदवारों में अभिज्ञान खाउंद ने 187वीं अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) के साथ सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। उनके बाद अभिज्ञान ज्योति बोरा रहे, जिन्होंने 570वीं एआईआर प्राप्त की, और भास्वता सैकिया रहे, जिन्होंने 777वीं एआईआर प्राप्त की। सफल उम्मीदवारों में, कैल्विन जिनमिनलियन जू ने प्रभावशाली अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) 134 हासिल की। मूल रूप से मणिपुर के रहने वाले जू वर्तमान में मेघालय में रहते हैं। यूपीएससी द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और ग्रुप ए और ग्रुप बी के तहत अन्य केंद्रीय सेवाओं सहित विभिन्न प्रतिष्ठित सेवाओं में नियुक्ति के लिए कुल 958 उम्मीदवारों की सिफारिश की गई है। राष्ट्रीय स्तर पर, अनुज अग्निहोत्री ने सिविल सेवा परीक्षा 2025 में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है, जिसके परिणाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 6 मार्च को घोषित किए गए थे। आयोग के अनुसार, राजेश्वरी सुवे एम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि अकांश ढुल ने अत्यधिक प्रतिस्पर्धी परीक्षा में तीसरा स्थान प्राप्त किया। सफल उम्मीदवारों को अब आगे की औपचारिकताओं से गुजरना होगा, जिसके बाद उन्हें उनके पद और प्राथमिकताओं के आधार पर विभिन्न सेवाओं और कैडरों में आवंटित किया जाएगा। इन तीनों उम्मीदवारों की उपलब्धि ने असम को गौरवान्वित किया है।

पृष्ठ एक का शेष

असम विस चुनाव को ...

बांग्लादेश के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स से संचालित पीसीजेएसएस प्रतिनिधियों के माध्यम से हथियार पहुंचाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, रोहिंग्या आतंकी समूहों के माध्यम से हथियारों की आपूर्ति की जा रही है और कॉक्स बाजार में पीसीजेएसएस प्रतिनिधि बिधायक चकमा ने कथित तौर पर 26 फरवरी, 2026 को पूर्वोत्तर में अशांति फैलाने के लिए 50 अत्याधुनिक हथियार प्राप्त किए थे। उन्होंने आगे दावा किया कि पीसीजेएसएस (संतु गुट) चटगांव स्थित एजेंसियों से प्राप्त रॉकेट ईंधन को विद्रोही समूहों को आपूर्ति कर रहा है।

भाजपा की यात्रा में ...

राजनीतिक परिदृश्य में डिब्रूगढ़ के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। असम सरकार डिब्रूगढ़ को राज्य की दूसरी राजधानी के रूप में विकसित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है, और वहां मुख्यमंत्री सचिवालय और असम विधानसभा भवन सहित कई महत्वपूर्ण संस्थान पहले से ही स्थापित किए जा चुके हैं। छह मंजिला इमारत में पार्टी के संचालन में सहयोग देने के उद्देश्य से अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इनमें एक सम्मेलन कक्ष, राज्य और जिला नेतृत्व के लिए कमरे, पार्टी अध्यक्ष के लिए एक विशेष कक्ष, मुख्यमंत्री के लिए एक कमरा और पत्रकारों के लिए एक अलग मीडिया कक्ष शामिल हैं। पार्टी नेताओं के अनुसार, यह कार्यालय ऊपरी असम के आठ जिलों में संगठनात्मक गतिविधियों के समन्वय के लिए केंद्रीय केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जिससे इस क्षेत्र में भाजपा की राजनीतिक पहुंच और अभियान रणनीतियों को सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। स्थान के चुनाव के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य की दूसरी राजधानी के रूप में डिब्रूगढ़ की स्थिति ने इसे एक प्रमुख पार्टी कार्यालय के लिए स्वाभाविक पसंद बना दिया। उन्होंने कहा कि डिब्रूगढ़ हमारी दूसरी राजधानी है। यहां सिर्फ जिला कार्यालय बनाने के बजाय, हमने मंडल कार्यालय बनाया है। आज हम इस कार्यालय को अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को समर्पित कर रहे हैं। यह घटनाक्रम ऐसे महत्वपूर्ण समय में सामने आया है जब भाजपा आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए तैयारियों को तेज कर रही है, और जन आशीर्वाद यात्रा राज्य भर के मतदाताओं से जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण जनसंपर्क अभियान के रूप में काम कर रही है। यात्रा के पांचवें दिन पूरे होने के साथ ही, पार्टी नेतृत्व ने विश्वास जताया है कि बढ़ती भीड़ और उत्साही भागीदारी चुनावी मुकाबले से पहले मजबूत जमीनी समर्थन को दर्शाती है।

असम रास चुनाव ...

गए तीन नेता अब्दुल अजीज, सहबुल इस्लाम चौधरी और करीम उद्दीन बरभुईयां हैं। बरभुईयां एआईयूडीएफ के उपाध्यक्ष और श्रीभूमि विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे, जबकि अजीज बदरपुर से विधायक हैं। पार्टी के अनुसार, वे औपचारिक रूप से *किसी अन्य पार्टी* में शामिल होने की तैयारी कर रहे थे, इसलिए उन्हें निलंबित कर दिया गया है। एआईयूडीएफ के नेताओं ने राज्यसभा चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के नेता प्रमोद बोरो का भी समर्थन किया था। एआईयूडीएफ की सहयोगी कांग्रेस ने दावा किया है कि विधायकों ने बोरो के लिए नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई के अनुसार, मुख्यमंत्री हिमंता विश्वा शर्मा ने राज्यसभा चुनाव के लिए एआईयूडीएफ का समर्थन भी मांगा है। उन्होंने कहा कि इस कदम से भाजपा का सत्ता-केंद्रित स्वभाव उजागर होता है, क्योंकि उन्होंने दावा किया कि शर्मा ने बार-बार एआईयूडीएफ को सांप्रदायिक पार्टी बताया है। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई ने कहा कि अगर भाजपा को सच में लगता है कि एआईयूडीएफ असम के लिए खतरा है, तो उसे अपने उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए उनके समर्थन की क्या जरूरत थी?

असम विस चुनाव...

कि असम की एक व्यक्ति इस पद पर हैं और राज्य इस अवसर को खोना नहीं चाहता, शर्मा ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें राज्य विधानसभा में आने की कोई आवश्यकता नहीं है। हम चाहते हैं कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में बने रहें और असम का गौरव और नाम बढ़ाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी 2029 के लोकसभा चुनावों में मार्गेरिटा की उम्मीदवारी पर विचार कर सकती है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी विधानसभा चुनावों में उन्हें मैदान में उतारने का कोई प्रस्ताव नहीं लिया गया है। जहां तक 2026 के विधानसभा चुनावों की बात है, भाजपा ने उन्हें उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने के लिए कोई प्रस्ताव या प्रावधान नहीं रखा है, शर्मा ने कहा। जोरहाट से संभावित उम्मीदवार के बारे में शर्मा ने कहा कि पार्टी के पास कई मजबूत स्थानीय दावेदार हैं। उन्होंने कहा कि जोरहाट में हमारे पास कई अच्छे उम्मीदवार हैं, जो साधारण परिवारों और पृष्ठभूमि से आते हैं और जनता के बीच लोकप्रिय हैं। हम स्थानीय नामों में से एक उम्मीदवार को नामित करेंगे। शिवसागर की स्थिति पर बोलते हुए शर्मा ने कहा कि पार्टी ने अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि हमने अभी तक शिवसागर सीट के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है। एजीपी इस सीट पर अपनी नजर रखे हुए है और हमारी पार्टी से भी कई उम्मीदवार हैं। बातचीत जारी है। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी और रायजोर दल के बीच सीट बंटवारे को लेकर विपक्षी गठबंधन के भीतर जारी असहमति पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नामांकन होने तक अनिश्चितता बनी रहेगी। 卐नामांकन और नाम वापस लेने के अंतिम क्षण तक, यह नाटक जारी रहेगा, शर्मा ने टिप्पणी की। उन्होंने यह भी बताया कि चूंकि महमोरा से विधायक जोगेन मोहन को आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा गया है, इसलिए भाजपा 2026 के चुनावों में महमोरा विधानसभा क्षेत्र के लिए एक स्थानीय उम्मीदवार को नामित करेगी।

यूपीएससी में डॉ. अनुज ...

प्रयास में उन्होंने मेंस परीक्षा पास की थी, लेकिन इंटरव्यू में उनका चयन नहीं हो पाया था। अपनी सफलता पर डॉ. अनुज ने कहा कि यूपीएससी जैसी परीक्षा की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें कई उतार-चढ़ाव आते हैं। उन्होंने बताया कि यदि इस बार सफलता नहीं मिलती, तो वह अगले प्रयास की तैयारी कर रहे होते। उनके अनुसार इस परीक्षा में सफल होने के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज अनुशासन और निरंतर मेहनत है। उन्होंने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं और इस उपलब्धि के लिए भगवान और अपने परिवार का आभार व्यक्त करते हैं। डॉ. अनुज ने बताया कि इंटरव्यू के दौरान उनसे उनके मेडिकल बैकग्राउंड से जुड़े कई सवाल पूछे गए। डॉ. अनुज ने वर्ष 2023 में एम्स जोधपुर से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की है। मेडिकल प्रवेश परीक्षा में भी उन्होंने ऑल इंडिया स्तर पर 215वीं रैंक हासिल की थी। उनकी स्कूली शिक्षा रावतभाटा स्थित परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय से हुई, जहां 12वीं कक्षा में उन्होंने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। पढ़ाई के साथ-साथ उन्हें टेबल टेनिस खेलना भी पसंद है। अनुज के पिता केबी अग्निहोत्री राजस्थान परमाणु बिजलीघर की इकाइयों में कार्यरत हैं, जबकि उनकी मां मंजू अग्निहोत्री गृहिणी हैं। पिता ने बेटे की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि यह पूरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है और अनुज ने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। उनकी मां ने बताया कि उन्होंने बेटे के खान-पान और पढ़ाई का पूरा ध्यान रखा। इस वर्ष सिविल सेवा परीक्षा में राजस्थान के कई अन्य अभ्यर्थियों ने भी सफलता हासिल की है। बहरोड़ के तरुण कुमार यादव ने 49वीं रैंक प्राप्त की है। पिछली बार उनका चयन आईपीएस के रूप में हुआ था और अब वे आईएएस बन सकेंगे। बालोतरा के गौरव चौपड़ा ने 83वीं रैंक, बूंदी के सौरभ शर्मा ने 146वीं रैंक, तिजारा के निशांत यादव ने 237वीं रैंक और बालोतरा के जितेंद्र प्रजापति ने 287वीं रैंक हासिल की है। इसके अलावा पोकरण के प्रवीण दान रतनू ने 499वीं रैंक, सीकर के संजय कुमार ने 502वीं रैंक, जयपुर के संभव पाटनी ने 608वीं रैंक, तिजारा के बादल यादव ने 635वीं रैंक और दौसा के आशीष शर्मा ने 722वीं रैंक प्राप्त की है। संघ लोक सेवा आयोग के अनुसार सिविल सेवा परीक्षा 2025 के अंतिम परिणाम में कुल 180 अभ्यर्थियों का चयन भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के लिए किया गया है। राजस्थान के अभ्यर्थियों की इस सफलता से प्रदेश में खुशी का माहौल है।

सप्ताह के अंत में...

बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने सप्ताह के उत्तरार्ध में कुछ स्थानों पर गरज और बिजली गिरने की संभावना भी जताई है। 9 मार्च से मौसम में बदलाव आ सकता है और असम के कई स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान में लगभग 3-5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की उम्मीद है। 10 मार्च तक, राज्य के कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, साथ ही कुछ स्थानों पर आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। गुवाहाटी और आसपास के इलाकों के लिए, मौसम विज्ञान विभाग ने आने वाले दिनों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और धुंध छाए रहने का पूर्वानुमान लगाया है। अधिकतम तापमान 32 सेंटिग्रेट के आसपास रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 17 सेंटिग्रेट के आसपास रह सकता है। इस बीच, पूर्वोत्तर क्षेत्र के अन्य हिस्सों में भी आने वाले दिनों में हल्की बारिश होने की संभावना है। इससे पहले, 28 फरवरी को, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा था कि पूर्वोत्तर, पूर्वी भारत और पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के कुछ क्षेत्रों और मध्य और प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर, देश के कई हिस्सों में मार्च में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है। जहां मार्च के दौरान देश के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, वहीं पूर्वोत्तर और उत्तर-पश्चिम और पूर्व-मध्य भारत के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से कम वर्षा हो सकती है।

कार्बी आंग्लांग में ...

संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और इस शोक के समय दुखी परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। हादसा गुरुवार रात लगभग 7 बजे के आसपास हुआ। विमान से संपर्क टूटने के बाद जोरहाट वायुसेना की टीम ने दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। हादसास्थल पर वायु सेना की टीम को पहुंचने में लगभग चार घंटे का समय लगा। हालांकि, हादसे के कारणों का पता नहीं चल सका है। बताया गया है कि जोरहाट से टेक-ऑफ करने के कुछ ही देर बाद प्लेन कार्बी आंग्लांग जिले के दुर्गम पहाड़ी इलाके में क्रैश हो गया। जोरदार आवाज सुनकर आसपास के गांवों के लोगों में डर फैल गया। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने तुरंत सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। यह दुर्घटना कार्बी आंग्लांग जिलांतर्गत रंगखेला के चोकीहोला के नीलिप ब्लॉक के पास एक दूर पहाड़ी इलाके में हुई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, रात लगभग 7 बजे के आसपास एक जोरदार धमाके जैसी आवाज सुनाई दी, जो आसपास की पहाड़ियों में गूंजी और आसपास की बस्तियों में दहशत फैल गई। चश्मदीदों ने कहा कि आवाज बहुत तेज थी और पहाड़ी इलाके में गूंजी, जिससे गांव वालों को शक हुआ कि शायद इलाके में कोई मिलिट्री एयरक्राफ्ट गिर गया है। कुछ लोगों ने धमाके के तुरंत बाद पहाड़ियों की तरफ से धुआं उठते हुए भी देखा। सूत्रों ने बताया कि एयरक्राफ्ट सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट था, जिसने शाम को जोरहाट से उड़ान भरी थी। क्रैश साइट इनसानी आबादी से दूर एक जंगली और पहाड़ी इलाके में है, जिससे वहां के लोगों के लिए तुरंत पहुंचना मुश्किल था। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज कार्बी आंग्लांग जिले में सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट के क्रैश में भारतीय वायु सेना के दो पायलटों की मौत पर गहरा दुख जताया। एयरक्राफ्ट, जो एक रूटीन ट्रेनिंग मिशन पर था, जिले के चोकीहोला इलाके में बीती रात को क्रैश हो गया, जो जोरहाट से लगभग 60 किमी दूर है, जहां से इसने उड़ान भरी थी। विमान में सवार दोनों पायलट स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुर्वेश दुरगकर की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किए गए एक संदेश में कहा कि वह इस दुखद घटना से बहुत दुखी हैं। मुख्यमंत्री ऑफिस ने एक बयान में कहा कि बहुत बुरी खबर! डॉ. शर्मा ने कार्बी आंग्लांग में सुखोई -30एमकेआई के दुखद क्रैश से बहुत दुखी हैं, जिसमें स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुर्वेश दुरगकर की जान चली गई। मुख्यमंत्री ने गहरा दुख जताया और दुखी परिवारों के प्रति संवेदना जताई, और कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा देश उनके साथ है। इस बीच, एक सेना के प्रवक्ता ने कहा कि क्रैश का कारण पता लगाने के लिए एयर फोर्स ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया है। इलाके में लोकल अधिकारियों की मदद से इंडियन एयर फोर्स की टीमों ने सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। उधर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सुखोई-30 विमान हादसे में दोनों पायलटों स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुर्गाकर के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। देश के लिए उनकी हिम्मत और सेवा को हमेशा गर्व और आभार के साथ याद किया जाएगा।

मतदाता सूची विवाद...

पर बुलाया जाएगा ताकि यह साबित हो सके कि वे जीवित हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को मृत बताया गया है, वे स्वयं यहां बैठकर यह प्रमाण दे रहे हैं कि वे पूरी तरह जीवित हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति शर्मनाक है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा के प्रभाव में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में बड़ी संख्या में लोगों के नामों को लेकर गंभीर गड़बड़ी सामने आई है और यह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के कारण कुछ परिवारों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ा है। उनके अनुसार इस प्रक्रिया से प्रभावित कुछ परिवार भी धरना स्थल पर मौजूद हैं। धरना स्थल पर विभिन्न जिलों से आए तृणमूल कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। कई ऐसे मतदाता भी मंच पर पहुंचे जिनका आरोप है कि उन्हें सूची में मृत या अयोग्य घोषित कर दिया गया है। इस दौरान मिनाखां स्थित रामकृष्ण सारदा मिशन के एक प्रतिनिधि ने भी मंच से दावा किया कि वे पिछले 14 वर्षों से संस्था के अध्यक्ष हैं, लेकिन इसके बावजूद उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। तृणमूल कांग्रेस ने इस धरने को मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा की लड़ाई बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मुद्दे पर शाम को बैठक भी आयोजित की जाएगी जिसमें आगे की रणनीति पर चर्चा होगी।

कर्नाटक में 16 साल ...

बच्चों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल बैन कर दिया जाएगा। सीएम सिद्धारमैया ने स्टूडेंट्स के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-बेस्ड लर्निंग सिस्टम का प्रस्ताव रखा। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार क्लास 8 से 12 तक के स्टूडेंट्स को सपोर्ट करने के लिए इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) धारवाड़ के साथ मिलकर बनाया गया एक पर्सनलाइज्ड डिजिटल ट्यूटरिंग सिस्टम शुरू करेगी। इस प्रोग्राम से लगभग 1.22 मिलियन स्टूडेंट्स को फायदा होने की उम्मीद है और इसे 5 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से लागू किया जाएगा। बेंगलुरु में यूनिवर्सिटी ऑफ विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को आईआईटीएस की तरह डेवलपमेंट के लिए 500 करोड़ रुपए दिए जाएंगे, जिसमें से इस साल 100 करोड़ रुपए देने का फैसला लिया गया है। सिद्धारमैया ने बताया कि राज्य ने डिग्री कॉलेज, पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए 2,000 टीचिंग स्टाफ की भर्ती को मंजूरी दे दी है।

नीतीश की विरासत ...

आना चाहिए। शुक्रवार की बैठक में यह मांग एक बार फिर उठाई गई, जिसमें पार्टी नेताओं ने कहा कि निशांत अपने पिता की जगह लेने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प होंगे। जेडीयू नेता नीरज कुमार ने कहा कि निशांत कुमार (मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे) कल जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल होंगे। निशांत कुमार ने पूरे राज्य का दौरा करने का फैसला किया है। नीतीश कुमार ने आश्वासन दिया है कि चिंता की कोई बात नहीं है, वे विधायकों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि सरकार गठन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। नीतीश के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही बिहार में पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का अपना मुख्यमंत्री होगा। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि इसी के साथ निशांत को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा। बिहार की मंत्री लेशी सिंह ने शुक्रवार को आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नामांकन दाखिल करने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनात्मक प्रतिक्रिया पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कुमार ने 20 वर्षों से अधिक समय तक राज्य का नेतृत्व किया है, इसलिए पार्टी कार्यकर्ता उनके इस निर्णय से असहज हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि नीतीश कुमार 20 वर्षों से अधिक समय से बिहार का नेतृत्व कर रहे हैं और उन्होंने बिहार में सभी कार्य किए हैं, सुशासन स्थापित किया है, कानून का शासन स्थापित किया है, महिला सशक्तिकरण की दिशा में काम किया है; यह स्वाभाविक है कि कार्यकर्ता उनके इस निर्णय से असहज महसूस कर रहे हैं। सिंह ने आगे कहा कि शाम 5 बजे एक बैठक होगी। बैठक में जो भी निर्णय लिया जाएगा, उसकी जानकारी दी जाएगी। इससे पहले, जेडीयू विधायक बिनय कुमार चौधरी ने नीतीश कुमार के आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ने के निर्णय पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी नेता इस घटनाक्रम से दुखी हैं। चौधरी ने बताया कि हम दुखी हैं। मैं उनके निर्णय के बारे में कुछ नहीं कह सकता। आज शाम 5 बजे उनके आवास पर एक बैठक है। ये प्रतिक्रियाएं बिहार में हुए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम के बाद सामने आईं, जहां नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया।

कोई समझौता नहीं...

इजराइल में लगभग एक दर्जन लोग मारे गए हैं। युद्ध हर दिन बढ़ता जा रहा है, जिससे मध्य पूर्व और उससे बाहर के 14 और देश प्रभावित हो रहे हैं। ईरान द्वारा कुवैत पर किए गए जवाबी हमलों के बाद अमेरिकी दूतावास बंद हो गया है, और ईरान में युद्ध बढ़ने के साथ ही पूरी तरह से काम बंद करने वाला यह दूसरा अमेरिकी राजनयिक मिशन बन गया है। कुवैत वह स्थान भी है जहां रविवार को एक ईरानी ड्रोन हमले में छह अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि कुछ देशों ने मध्यस्थता के प्रयास शुरू कर दिए हैं। यह स्पष्ट होना चाहिए: हम इस क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए प्रतिबद्ध हैं, फिर भी हमें अपने राष्ट्र की गरिमा और संप्रभुता की रक्षा करने में कोई संकोच नहीं है। मध्यस्थता में उन लोगों को शामिल किया जाना चाहिए जिन्होंने ईरानी जनता को कम आंका और इस संघर्ष को भड़काया। अजरबैजान ने ईरान पर ड्रोन हमले करने का गुरुवार को आरोप लगाया था जिसे तेहरान ने खारिज कर दिया। ईरान ने गुरुवार सुबह इजराइल और अमेरिका के कई अड्डों पर नये सिरे से हमले किए और धमकी दी कि हिंद महासागर में ईरान के एक युद्धपोत को टॉरपीडो के हमले से डुबोने के लिए अमेरिका को बहुत पछताना पड़ेगा।

बंपर जीत की ओर ...

है। मतदान प्रतिशत प्रभावशाली 60 प्रतिशत तक पहुंच गया, जिसमें युवाओं की अभूतपूर्व भागीदारी का अहम योगदान रहा। अधिकारियों का मानना है कि सुचारू रूप से चलने वाले प्रारंभिक चरण का श्रेय उन्नत मतदाता शिक्षा अभियानों, अंतर-दलीय सहयोग और कड़ी सुरक्षा तैनाती को जाता है, जिसने विरोध प्रदर्शनों से उत्पन्न तनाव के बावजूद व्यवधानों को रोका। नेपाली कांग्रेस के उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश शर्मा ने कहा है कि उनकी पार्टी ने आम चुनाव में हार स्वीकार कर ली है।

इजराइल-ईरान संघर्ष ...

लिए रोक लगा दी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शुक्रवार को ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बीएआरसी) को निर्देश जारी कर कहा कि इजराइल-ईरान संघर्ष के दौरान कुछ टीवी न्यूज चैनल अनावश्यक सनसनीखेज और भय पैदा करने वाली सामग्री प्रसारित कर रहे हैं, जिससे आम जनता में भय पैदा हो सकता है, विशेष रूप से उन लोगों में जिनके प्रभावित क्षेत्रों में दोस्त और परिवार रह रहे हैं। ऐसे में जनहित में बीएआरसी चार हफ्ते तक न्यूज चैनल की टीआरपी रेटिंग जारी नहीं करें। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने टेलीविजन रेटिंग एजेंसियों के लिए नीति-निर्देश जारी किए थे, जिसके तहत ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बीएआरसी) एक पंजीकृत एजेंसी है जो न्यूज चैनलों की हर हफ्ते देखने वालों की संख्या के आधार पर रेटिंग जारी करती है।

भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा पर ...

परिस्थितियां वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा प्रभाव डालती हैं। कोलकाता में आयोजित *सागर संकल्प संगोष्ठी* में शुक्रवार को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में यदि इस क्षेत्र में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न होता है तो उसका सीधा असर पूरी दुनिया में तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में वर्तमान घटनाक्रम असामान्य हैं और यह कहना अभी कठिन है कि यह संकट आगे किस दिशा में जाएगा। इसके बावजूद उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत समुद्री क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका निभाने में सक्षम है। राजनाथ सिंह ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में आपूर्ति शृंखला में व्यवधान से बचने का एकमात्र रास्ता आत्मनिर्भरता है। उन्होंने कहा कि देश के रक्षा क्षेत्र में उच्च स्तरीय और सटीक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है और आत्मनिर्भरता की दिशा में रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक उपक्रम कंपनियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य भारत को जहाज निर्माण के क्षेत्र में दुनिया के शीर्ष 10 देशों में शामिल करना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वर्तमान वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में महासागर एक बार फिर शक्ति संतुलन के केंद्र में आ गए हैं और ऐसे में एक प्रमुख समुद्री राष्ट्र के रूप में भारत को स्पष्ट दृष्टि, क्षमता और आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व करना होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रास चुनाव में एआईयूडीएफ से मांगा समर्थन : गौरव गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पर असम में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) से समर्थन मांगने का आरोप लगाया है। ज्ञात हो कि, बीते गुरुवार को राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि थी। विपक्ष की ओर से किसी ने भी नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया है। इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्ष के अंदर फूट एवं बिखराव का हवाला दिया है। भाजपा ने कहा कि अगर विपक्ष एकजुट होता तो एक राज्यसभा की सीट निश्चित ही उसके खाते में चली जाती, लेकिन विपक्ष में उपजे असंतोष की वजह से कोई भी पार्टी किसी दूसरे पर भरोसा नहीं कर पा रही है। इस स्थिति के लिए कांग्रेस को भाजपा ने जिम्मेदार ठहराया है। गोगोई ने मीडिया के साथ बातचीत करते हुए आरोप लगाया कि यह कदम सत्ताधारी पार्टी भाजपा के *सत्ता-केंद्रित* स्वभाव को सामने लाता है, उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने सालों तक एआईयूडीएफ को एक सांप्रदायिक पार्टी बताया था, लेकिन अब उच्च सदन में सीट पक्की करने के लिए उसके समर्थन पर भरोसा कर रहे हैं। गोगोई के मुताबिक, एआईयूडीएफ के तीन विधायक करीमुद्दीन बरभुइंया, निजामुद्दीन चौधरी और जाकिर हुसैन लस्कर ने नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के उम्मीदवार प्रमोद बोड़ो के नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जो यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के अध्यक्ष भी हैं। गोगोई ने मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने पहले भी अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ ध्रुवीकरण वाली बातें की हैं। उन्होंने दावा किया कि डॉ. शर्मा अक्सर अपने राजनीतिक भाषणों में *मियां* और *ओसिनाकी* (नजान) जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने बेदखली अभियानों और जिसे उन्होंने *बुलडोजर पॉलिटिक्स* बताया, उसके जरिए सामाजिक बंटवारे को और गहरा किया है। उन्होंने तर्क दिया कि तीसरी राज्यसभा सीट के लिए एआईयूडीएफ के समर्थन पर भाजपा का भरोसा, पार्टी के खिलाफ उसके पहले के रुख के उलट है। इस घटनाक्रम पर सवाल उठाते हुए, गोगोई ने पूछा कि अगर पार्टी सच में राज्य के लिए खतरा है, तो भाजपा पार्टी एआईयूडीएफ के विधायकों पर क्यों निर्भर है। गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री अक्सर विचारधारा और सिद्धांतों के बारे में बात करते हैं, लेकिन जैसे ही उनकी सत्ता को खतरा होता है, वे सिद्धांत गायब हो जाते हैं, और कहा कि अब अपनी राजनीतिक स्थिति को बचाना प्राथमिकता लगती है। इस बीच, असम विधानसभा में विपक्ष के नेता, देबब्रत सैकिया ने भी इस घटनाक्रम की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह भाजपा और एआईयूडीएफ के बीच एक गुप्त समझ दिखता है। सैकिया ने दावा किया कि किसी भी विचारधारा से सार्वजनिक रूप से इनकार करने के बावजूद, पार्टियां अपने राजनीतिक हितों को बनाए रखने के लिए सहयोग करने को तैयार थीं। उन्होंने आगे एआईयूडीएफ को भाजपा की *बी-टीम* बताया और आरोप लगाया कि दोनों पार्टियों के बीच सार्वजनिक रूप से आलोचना का आदान-प्रदान वोटरों को गुमराह करने की एक रणनीति है। उन्होंने कहा कि यूपीपीएल के एक मंत्री पहले से ही शर्मा की कैबिनेट का हिस्सा हैं, लेकिन भाजपा ने अब यूपीपीएल अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो के राज्यसभा नामांकन को आसान बनाने के लिए एआईयूडीएफ विधायकों पर भरोसा किया है।

जन आशीर्वाद यात्रा को मिल रहा भारी जनसमर्थन, मुख्यमंत्री शर्मा कल जाएंगे गोलाघाट

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जन आशीर्वाद यात्रा को राज्यभर में व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह काफी बढ़ा है। इसी क्रम में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा सात मार्च को गोलाघाट जिले के दौरे पर जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री शर्मा गोलाघाट जिले के सरूपाथार, गोलाघाट, खुमटाई और देरगांव विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित जन आशीर्वाद यात्रा में भाग लेंगे। इस दौरान उनके साथ भाजपा असम प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया भी उपस्थित रहेंगे। 28 फरवरी से शुरू हुई इस यात्रा के माध्यम से पार्टी जनता से आशीर्वाद और समर्थन प्राप्त करने का प्रयास कर रही है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सुरंजन दत्ता ने एक बयान में कहा कि यह यात्रा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि राज्य में हुए विकास कार्यों के प्रति जनता के विश्वास और समर्थन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में आधारभूत संरचना, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में किए गए कार्यों को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री शर्मा सात मार्च को सरूपथार से यात्रा की शुरुआत करेंगे और गोलाघाट तथा खुमटाई होते हुए देरगांव में कार्यक्रम का समापन करेंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों के शामिल होने की संभावना है।

बीटीसी कार्यकारी परिषद में तीन नए कार्यकारी सदस्यों ने ली शपथ

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ के बोडोफा नगर स्थित बीटीसीएलए (बीटीसीएलए) सभागार में आज आयोजित एक कार्यक्रम में बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) की कार्यकारी परिषद में तीन नए सदस्यों ने कार्यकारी सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण किया। शपथ लेने वाले नए सदस्यों में गोरेश्वर (एसटी) निर्वाचन क्षेत्र के महेश्वर बसुमतारी, नाग्रीजुली (नॉन-एसटी) निर्वाचन क्षेत्र की लक्ष्मी दास तथा सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य कर्मेश्वर राय शामिल हैं। असम सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं बीटीसी के वर्तमान मुख्य सचिव मुकेश साहू ने नए सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इन तीन नए सदस्यों के शामिल होने के साथ ही बीटीसी कार्यकारी परिषद के कुल सदस्यों की संख्या अब बढ़कर 17 हो गई है। उम्मीद जताई जा रही है कि इनकी भागीदारी से बीटीसी क्षेत्र में विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को और अधिक गति मिलेगी। कार्यक्रम में कार्यकारी सदस्य देरहासात बसुमतारी और मुनमुन ब्रह्म, एमसीएलए युविराज बसुमतारी, अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रांजित कुमार वारी, बीटीसी के सचिव सहित अन्य अधिकारी तथा कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कांग्रेस में इस्तीफों की लहर जारी

गुवाहाटी (हिंस)। असम में कांग्रेस पार्टी के भीतर इस्तीफों का दौर जारी है। इसी क्रम में कामरूप जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष सुंदर डेका और सामान्य सचिव हेमंत दत्ता ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के अनुसार सुंदर डेका पिछले लगभग 35 वर्षों से कांग्रेस से जुड़े हुए थे। लंबे समय तक पार्टी के साथ रहने के बाद उन्होंने असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बताया गया है कि दोनों नेताओं ने पार्टी के वर्तमान नेतृत्व और संगठनात्मक कार्यप्रणाली से असंतोष जताते हुए अपने इस्तीफे सौंपे हैं।

छमरिया विस क्षेत्र में कांग्रेस विधायक रकीबुद्दिन को कड़ी चुनौती

कामरूप (हिंस)। असम में आने वाले दिनों में होने वाले विधान सभा चुनाव 2026 को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गयी हैं। इसी बीच क्षेत्र पुनर्निर्धारण ने चुनावी परिदृश्य को बदल दिया है। क्षेत्र पुनर्निर्धारण के दौरान कई विधानसभा क्षेत्रों की सीमाएं बदली गईं और कई का नाम परिवर्तन भी हुआ। असम के नव गठित क्षेत्रों में से एक है कामरूप (ग्रामीण) जिले का छमरिया क्षेत्र। कामरूप (ग्रामीण) जिले के विस क्षेत्रों की संख्या पूर्व की तरह है, हालांकि जिले में छमरिया क्षेत्र नया बनाया गया है। जिले के क्षेत्र क्रमश: छमरिया, बोको-छयगांव (अनुसूचित जनजाति), पलाशबाड़ी, हाजो (अनुसूचित जाति), रंगिया और कमलपुर हैं। वर्तमान में चुनावी मौसम में छमरिया क्षेत्र में चुनावी सक्रियता तेज हो गई है। उल्लेखनीय है कि, कामरूप जिले के पूर्व बोको और छयगांव को एकत्र कर एक नया चुनाव क्षेत्र छमरिया का गठन किया गया है। नवगठित 27 नंबर छमरिया में गोरैमरी और सोनतली विकास खंड के अलावा पूर्व बोको और छयगांव के बड़े क्षेत्र को शामिल किया गया है। नवगठित छमरिया से 2026 के विधानसभा चुनाव में स्थानीय उम्मीदवार को उतारने की मांग जोर पकड़ रही है। नवगठित विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस, एआईयूडीएफ, असम गण परिषद की तरफ से व्यापक सक्रियता शुरू की गई है। उम्मीदवारिता को लेकर नवगठित छमरिया विधानसभा क्षेत्र ने वर्तमान में आकर्षक स्वरूप धारण कर लिया है। इस क्षेत्र में असम गण परिषद पूर्व के छयगांव क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे डॉ. कमलाकांत कलिता को उम्मीदवार के रूप में उतारने की तैयारी कर रही है। गगैमारी में आयोजित अगप की क्षेत्रीय बैठक में इस क्षेत्र में डॉ. कमलाकांत कलिता को पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामित करने का सुझाव दिया गया। इस बीच चुनाव को केंद्र में रखकर छमरिया में कांग्रेस पार्टी के अंदर टिकट केंद्रित संघर्ष चल रहा है। छमरिया में कांग्रेस के दो नेताओं के नाम चर्चा में हैं। उम्मीदवार के रूप में छयगांव विधानसभा क्षेत्र से तीन बार के विधायक रकीबुद्दीन अहमद और महबूब अली का नाम आगे चल रहा है। विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने इस बार रकीबुद्दीन अहमद को नहीं चुना है। बावूजूद रकीबुद्दीन का चुनाव क्षेत्र में व्यापक सक्रियता दिखाई दे रही है, वहीं कांग्रेस नेता महबूब अली की सक्रियता भी दिख रही है। कांग्रेस नेता महबूब अली दिन-रात प्रचार कार्य जारी रखे हैं। उल्लेखनीय है कि रकीबुद्दीन अहमद को टिकट न देने के लिए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कुछ कांग्रेसियों की ओर से आह्वान किया था। इस क्षेत्र में रकीबुद्दिन अहमद की जगह छमरिया में महबूब अली के कांग्रेस प्रत्याशी बनने की पूरी संभावना है। छमरिया विधानसभा क्षेत्र के लोगों की स्थानीय प्रत्याशियों की मांग और कांग्रेस के आंतरिक समीकरण तथा आगामी चुनावी माहौल ने नई चर्चाओं को जन्म दिया है। दूसरी ओर, नवगठित विधानसभा क्षेत्र में अगप-कांग्रेस के प्रत्याशी के साथ-साथ डॉ. शाहजहां अली, 10 वर्ष तक बाको विधानसभा का प्रतिनिधित्व करने वाली नंदिता दास, ज्योति प्रसाद दास, पूर्व विधायक गोपीनाथ दास के अलावा युवा नेता के रूप में अधिवक्ता अमान ओवादुद भी इस क्षेत्र से चुनावी तैयारी में जुटे हुए हैं।

गौरव गोगोई का मुख्यमंत्री पर हमला

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्यसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीसरी सीट के लिए ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) से समर्थन मांगकर अवसरवादी राजनीति का परिचय दिया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए गोगोई ने कहा कि भाजपा द्वारा तीसरी राज्यसभा सीट के लिए एआईयूडीएफ से समर्थन लेने की कोशिश मुख्यमंत्री की राजनीतिक सोच में मौजूद विरोधाभास को उजागर करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री पिछले कई वर्षों से *मियां* और अवैध घुसपैठ जैसे मुद्दों को उठाकर एआईयूडीएफ को असम की राजनीति के केंद्र में लाते रहे हैं और समाज में विभाजन की राजनीति करते रहे हैं। गौरव गोगोई ने कहा कि जिस पार्टी को भाजपा वर्षों से अपना राजनीतिक विरोधी बताती रही है।

बीटीआर की सभी 15 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी यूपीपीएल

कोकराझाड़ (हिंस)। यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) की 15 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। यह जानकारी पार्टी अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो ने आज कोकराझाड़ में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। उन्होंने कहा कि यूपीपीएल आगामी चुनाव में अकेले ही मैदान में उतरेगी और किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी। पार्टी अपनी ताकत के दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। बोड़ो ने बताया कि उम्मीदवारों की अंतिम सूची एक-दो दिनों के भीतर जारी कर दी जाएगी। इसके लिए पार्टी के भीतर आवश्यक विचार-विमर्श और प्रक्रिया जारी है। बीटीआर क्षेत्र में चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और विभिन्न दल अपनी-अपनी रणनीति तय करने में जुटे हैं।

नामांकन वापसी के अंतिम दिन तक चलेगा अखिल गोगोई की गठबंधन राजनीति का *नाटक* : डॉ. हिमंत

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि अखिल गोगोई को लेकर गठबंधन की राजनीति का *नाटक* नामांकन पत्र वापसी के अंतिम दिन तक चलता रहेगा। उन्होंने राजनीतिक दलों को सलाह दी कि गठबंधन के मुद्दे पर अखिल गोगोई पर भरोसा नहीं करना चाहिए। नहरकटिया में शुक्रवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने से पहले पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिल गोगोई बार-बार गठबंधन को लेकर अपना रुख बदल रहे हैं और यह पूरी प्रक्रिया आखिरी समय तक अनिश्चितता बनाए रखने की रणनीति का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि शिवसागर विधानसभा सीट को लेकर अभी तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। इस सीट पर भाजपा या उसकी सहयोगी असम गण परिषद में से कौन चुनाव लड़ेगा, इस पर अभी चर्चा जारी है। उन्होंने कहा कि गठबंधन के भीतर विचार-विमर्श के बाद ही इस संबंध में अंतिम फैसला लिया जाएगा। शिवसागर सीट को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है, जहां से अखिल गोगोई वर्तमान में विधायक हैं।

कांग्रेस की मित्रता से बाहर हुए अखिल गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। असम की राजनीति में विपक्षी दलों के बीच प्रस्तावित गठबंधन को लेकर नया घटनाक्रम सामने आया है। राइजर दल के अध्यक्ष और शिवसागर से विधायक अखिल गोगोई को गठबंधन वार्ता से बाहर कर दिया गया है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, लोकसभा में कांग्रेस सांसद नेता गौरव गोगोई और रकीबुल हुसैन ने अखिल गोगोई को मौजूदा बातचीत से अलग रखने का निर्णय लिया है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस आज असम जातीय परिषद (एजेपी) के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई, हिल स्टेट डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जॉन इंगती काथार तथा आंचलिक गण मोर्चा के नेता मनोरंजन तालुकदार के साथ बैठक करेगी। इस बैठक में आगामी चुनावों को लेकर संभावित गठबंधन और रणनीति पर चर्चा होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि, अखिल गोगोई पिछले कुछ समय से विपक्षी एकता की जोरदार वकालत करते हुए कांग्रेस से गठबंधन करने की अपील कर रहे थे।

खोवांग में लुरिन की उम्मीदवारी के विरुद्ध कांग्रेस का प्रदर्शन

डिब्रूगढ़ (हिंस)। खोवांग विधानसभा क्षेत्र में असम जातीय परिषद (एजेपी) के नेता लुरिनज्योति गोगोई की संभावित उम्मीदवारी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि खोवांग सीट से कांग्रेस अपने ही उम्मीदवार को मैदान में उतारे। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा कि क्षेत्र के कांग्रेस समर्थक केवल पार्टी के *हाथ* चिह्न पर ही मतदान करना चाहते हैं। उन्होंने किसी अन्य दल के उम्मीदवार को समर्थन देने की संभावना पर नाराजगी भी जताई। प्रदर्शनकारियों ने पार्टी नेतृत्व से मांग की कि गठबंधन के बजाय खोवांग सीट से कांग्रेस उम्मीदवार को ही टिकट दिया जाए, ताकि कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ चुनाव में भाग ले सकें।

चार नंबर बाओखुंगरी निर्वाचन क्षेत्र में जयदीप राय को भाजपा उम्मीदवार बनाने की मांग : जनता में भारी उत्साह

कोकराझाड़ (विभास)। आगामी चुनावों को केंद्र में रखकर कोकराझाड़ जिले में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। विशेष रूप से 4 नंबर बाओखुंगरी निर्वाचन क्षेत्र में इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार को लेकर जनता के बीच विशेष चर्चा शुरू हो गई है। स्थानीय लोगों ने कोकराझाड़ जिला भाजपा के वर्तमान उपाध्यक्ष जयदीप राय को इस निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी का उम्मीदवार बनाने की जोरदार मांग उठाई है। पिछले कुछ समय से जयदीप राय इस क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक कार्यों के साथ-साथ पार्टी संगठन को मजबूत करने में अग्रणी भूमिका निभाते आ रहे हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, क्षेत्र के विकास और आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए जयदीप राय जैसे एक निष्ठावान और कर्मठ नेता की आवश्यकता है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी और आम मतदाताओं के बीच उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती देखी जा रही है। बाओखुंगरी निर्वाचन क्षेत्र के बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने मत व्यक्त किया है कि यदि पार्टी जयदीप राय को टिकट देती है, तो इस क्षेत्र में भाजपा की स्थिति और भी मजबूत होगी। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता की इस मांग पर पार्टी का शीर्ष नेतृत्व क्या रुख अपनाता है।

बीटीसी सचिवालय में तोड़-फोड़ की घटना को लेकर एक सदस्यीय जांच आयोग गठित

26 मार्च तक जांच रिपोर्ट पेश के निर्देश

कोकराझाड़ (विभास)। असम सरकार ने पिछले साल 29 नवंबर, 2025 को बोड़ोलैंड क्षेत्रीय परिषद (बीटीसी) सचिवालय में हुई विरोध प्रदर्शन और तोड़फोड़ की घटना की जांच के लिए एक सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया है। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश, न्यायूर्ति एचएन शर्मा इस आयोग की अध्यक्षता करेंगे। बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के छात्र संगठनों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन की परिस्थितियां। सचिवालय की ओर मार्च, बैरिकेड्स तोड़ना और परिसर में जबरन घुसकर की गई कथित तोड़फोड़ का क्रम आदि शामिल हैं। जिला प्रशासन, पुलिस और बीटीसी अधिकारियों की प्रतिक्रिया और क्या उनकी ओर से स्थिति को संभालने में कोई चूक हुई हो। सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान और सरकारी कामकाज में आई बाधा का विवरण। आयोग ने असम सरकार, बीटीसी प्रशासन, बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय, पीड़ित व्यक्तियों और आम जनता से इस घटना के संबंध में लिखित बयान या अभ्यावेदन आमंत्रित किए हैं। बयान के साथ अपना पूरा नाम, पता, संपर्क नंबर, सहायक दस्तावेज और शपथ पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। सभी दस्तावेज 26 मार्च, 2026 तक या उससे पहले जमा करने होंगे। बयान की तीन प्रतियां व्यक्तिगत रूप से या पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से आयोग के कार्यालय में भेजी जा सकती हैं। इसके अलावा, कोकराझाड़ के सहायक आयुक्त शुभम सिन्हा के कार्यालय के माध्यम से भी इसे भेजा जा सकता है।

रंगिया : राधाकृष्ण मंदिर में मना रंगोत्सव

मारवाड़ी समाज ने रंगों की मस्ती से भर दिया माहौल

रंगिया (विभास)। बसंत उत्सव होली का त्योहार आज रंगिया के विभिन्न क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया गया। रंगों की इस बरसात ने पूरे शहर को खुशियों के रंगों से सराबोर कर दिया। विशेष रूप से रंगिया के मारवाड़ी समुदाय ने स्थानीय श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर परिसर में एक भव्य और यादगार होली उत्सव का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। होली के इस पावन पर्व पर मारवाड़ी समाज के सदस्यों ने स्वत:स्फूर्त रूप से इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। समाज के विभिन्न वर्गों- युवा, बुजुर्ग, महिलाएं, पुरुष और बच्चे- सभी ने एकजुट होकर भाग लिया। मंदिर प्रांगण में भगवान राधाकृष्ण की पूजा-अर्चना के बाद रंगों की बौछार शुरू हो गई। लोग एक-दूसरे पर गुलाल, अबीर और रंग लगाते नजर आए, साथ ही होली की हार्दिक शुभकामनाएं आदान-प्रदान किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नृत्य, गीत और पारंपरिक संगीत रहा। पुरुष, महिलाएं और बच्चे डीजे की धुन पर थिरकते नजर आए। वहीं चंग तथा पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर ताल पर होली के लोकप्रिय गीत गाए गए। जिससे माहौल और भी अधिक उत्साहजनक हो गया। युवाओं ने आधुनिक होली रीमिक्स पर डांस किया, तो महिलाओं ने पारंपरिक लोकनृत्य प्रस्तुत की प्रस्तुति दी। बच्चे रंगों से सने गुब्बारों और पानी की पिचकारी से खूब मस्ती करते रहे। इस अवसर पर मारवाड़ी समाज के प्रमुख सदस्यों ने बताया कि होली का यह उत्सव सदियों पुरानी परंपरा का हिस्सा है, जो प्रेम, भाईचारे और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। मंदिर परिसर में चाय, पकौड़ी, ठंडाई, औरमिठाइयों की व्यवस्था रही। जिसका सभी ने जी भरकर आनंद उठाया। रंगिया के इस होली उत्सव ने स्थानीय निवासियों को गर्मजोशी से प्रेरित किया।

संपादकीय

युद्ध में फंसे ट्रंप

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान अमरीका पर हमला करने वाला था, लिहाजा हमने ही आक्रमण कर उसे कुचल दिया। ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग नष्ट कर दी गई हैं। दूसरी तरफ अमरीकी युद्ध विभाग 'पेंटागन' ने वहां की संसदीय समिति को ब्रीफ किया है कि उसे ऐसी खुफिया लीड की जानकारी नहीं है कि ईरान की अमरीका पर हमले की कोई योजना थी। दरअसल यह कोई सामान्य विरोधाभास नहीं है। एक पक्ष सफेद झूठ बोल रहा है और ट्रंप झूठ बोलने के आदी हैं। यह 'टाइम' पत्रिका की कवर स्टोरी से भी स्पष्ट है। बहरहाल अब अमरीकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने तो यहां तक खुलासा किया है कि ईरान राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या कराना चाहता था, लेकिन हमने ही उनके क्रूर, तानाशाह नेता खामेनेई को मार दिया। रक्षा मंत्री का यह भी दावा है कि एक सप्ताह में ईरान के आसमान पर अमरीका का कब्जा होगा। लेकिन रक्षा विशेषज्ञों और विख्यात राजनयिकों के आकलन हैं कि ऐसा नहीं होगा। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध में, इजरायल के उकसावे में आकर, फंस गए हैं। अब वह चाह कर भी युद्ध से अलग नहीं हो सकते। इसकी बुनियादी दलील यह है कि सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की हत्या के बावजूद ईरान अब भी जम कर लड़ रहा है। वह खामेनेई की हत्या का बदला लेने पर आमादा है। ईरान में फिलहाल कोई विद्रोह नहीं है। अलबत्ता अमरीका और इजरायल को सबक सिखाने के 'हुंकारी आग्रह' जरूर गूंज रहे हैं। बेशक ईरान में मरने वालों का आंकड़ा 1145 तक पहुंच चुका है। ईरान के शीर्ष 48 नेता और सैन्य कमांडर मारे जा चुके हैं। उसके 24 प्रांतों पर 1200 से अधिक मिसाइल हमले किए गए हैं। ईरान के 153 शहरों की 504 जगहों पर बमबारी की गई है। उसके कमोबेश 20 युद्धपोत और 14 लड़ाकू विमान नष्ट किए जा चुके हैं। ईरान के चारों ओर खंडहरी इमारतें, मिट्टी-मलबा देखे जा सकते हैं, लेकिन ईरान की मिसाइलों और ड्रोनों ने अरब देशों के 27 अमरीकी बेस पर तबाही मचा रखी है। आग के गोले और धुएं के गहरे-काले गुब्बार दुनिया के सामने हैं। इजरायल में येरुशलम और राजधानी तेल अवीव जैसे शहरों में पचासियों इमारतें ध्वस्त कर दी गई हैं। रिहायशी इलाकों पर भी मिसाइलें दागी जा रही हैं। चीख-पुकार सुनी जा सकती है। सऊदी अरब की दुनिया की सबसे बड़ी 'अरामको' रिफाइनरी पर दो बार हमले कर ईरान ने उसे पंगु बना दिया है। यहां 30 लाख बैरल तेल हर रोज रिफाइन किया जाता रहा है, लेकिन अब उत्पादन बंद करना पड़ा है। ईरान ने साइप्रस और तुर्किए में भी मिसाइल-ड्रोन हमले किए हैं। ईरान की हजारों बैलेस्टिक, क्रूज मिसाइलें अब भी बंकरों के नीचे मौजूद हैं। अब भी 6-7 यूनिट्स उत्पादन कर रही हैं। ईरान 20 फीसदी सवंद्धित यूरेनियम से ही परमाणु बम बना सकता है, जबकि उसके पास करीब 469 किग्रा सवंद्धित यूरेनियम है। बेशक वह 10-12 परमाणु बम बनाने की स्थिति में है। रूसी विदेश मंत्री के बयान से भी संकेत मिले हैं कि ईरान को परमाणु बम बनाने को बाध्य किया जा रहा है। एक आकलन सामने आया है कि अमरीका पर इस युद्ध से 19 लाख करोड़ रुपए तक का बोझ पड़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुकी हैं। 100 डॉलर तक पहुंचने में देर नहीं लगेगी, नतीजतन 50-210 अरब डॉलर की चोट लग सकती है। हालांकि तेल 147 डॉलर तक पहुंचने में देर लगेगी। जब ईरान ने जुलाई, 2008 में 'शाहाब-3' मिसाइल का परीक्षण किया था, जिसकी रेंज 2000 किमी बताई गई थी, तब तेल 147 डॉलर तक उछला था। बहरहाल भारत को बेचैन नहीं होना चाहिए, क्योंकि हम 41 देशों से तेल आयात करते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के अलावा भी कई रास्ते हैं, जिनके जरिए भारत तेल मंगवा सकता है।

ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग नष्ट कर दी गई हैं। दूसरी तरफ अमरीकी युद्ध विभाग 'पेंटागन' ने वहां की संसदीय समिति को ब्रीफ किया है कि उसे ऐसी खुफिया लीड की जानकारी नहीं है कि ईरान की अमरीका पर हमले की कोई योजना थी। दरअसल यह कोई सामान्य विरोधाभास नहीं है। एक पक्ष सफेद झूठ बोल रहा है और ट्रंप झूठ बोलने के आदी हैं। यह 'टाइम' पत्रिका की कवर स्टोरी से भी स्पष्ट है। बहरहाल अब अमरीकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने तो यहां तक खुलासा किया है कि ईरान राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या कराना चाहता था, लेकिन हमने ही उनके क्रूर, तानाशाह नेता खामेनेई को मार दिया। रक्षा मंत्री का यह भी दावा है कि एक सप्ताह में ईरान के आसमान पर अमरीका का कब्जा होगा। लेकिन रक्षा विशेषज्ञों और विख्यात राजनयिकों के आकलन हैं कि ऐसा नहीं होगा। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध में, इजरायल के उकसावे में आकर, फंस गए हैं। अब वह चाह कर भी युद्ध से अलग नहीं हो सकते। इसकी बुनियादी दलील यह है कि सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की हत्या के बावजूद ईरान अब भी जम कर लड़ रहा है। वह खामेनेई की हत्या का बदला लेने पर आमादा है। ईरान में फिलहाल कोई विद्रोह नहीं है। अलबत्ता अमरीका और इजरायल को सबक सिखाने के 'हुंकारी आग्रह' जरूर गूंज रहे हैं। बेशक ईरान में मरने वालों का आंकड़ा 1145 तक पहुंच चुका है।

1906 में ईरानियों ने मोर्चा संभाल लिया कि देश में राजशाही की जगह लोकतांत्रिक व्यवस्था हो

ईरान की ऐतिहासिक उथल-पुथल

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

इस समय ईरान अपने दौर की ऐतिहासिक उथल पुथल का शिकार है। इस उथल पुथल के बीज ईरान के इतिहास में छिपे हुए हैं। ये बीज अंकुरित होकर बड़े वृक्ष बनने की ओर अग्रसर होते हैं। जब ज्यादा बड़े होने लगते हैं तो यूरोप की ताकतें उनसे अपने को खतरा महसूस करती हैं। पश्चिमी ताकतें मिल जुल कर अपनी शक्ति का प्रयोग करती हैं और वृक्षों को काट देती हैं। लेकिन बीज कभी सूखता नहीं। फिर अंकुरित हो जाता है। यदि बहुत पीछे जाना जरूरी हो तो अरबों और ईरानियों की प्रतिद्वन्दिता इस्लाम के आने से भी पूर्व की है। पहले खलीफा और दूसरे खलीफा के नेतृत्व में अरबों ने ईरानियों को पराजित तो कर दिया था और वहां अपना राज भी स्थापित कर लिया। इतना ही नहीं, उन्हें किसी न किसी तरह इस्लाम में मतान्तरित भी कर लिया था। लेकिन ईरान के मन में अरबों से पराजित हो जाने की टीस कभी गई नहीं। इसलिए जब करबला के मैदान में मुसलमानों ने हजरत मोहम्मद के दामाद हुसैन को धोखे से घेर कर सभी सगे संबंधियों समेत कत्ल कर दिया था, तब अली के अनुयायियों ने एक नया शिया पंथ बना लिया था। ईरान मौका पाकर शिया पंथ में खिसक गया। अब अरबों का इस्लाम पंथ हुआ और ईरानियों का शिया पंथ हुआ। लेकिन ईरान का पश्चिमी ताकतों से वैर कब से है? जब पता चला कि ईरान के नीचे तेल है। लेकिन यहां हम बहुत पीछे नहीं जाएंगे। 1906 में ईरानियों ने मोर्चा संभाल लिया कि देश में राजशाही की जगह लोकतांत्रिक व्यवस्था हो। उस समय ईरान में कजार वंश का शासन था। राजा ने संसद की स्थापना कर दी जिसे मजलिस कहा गया। उसके लिए बाकायदा चुनाव होने लगे। प्रधानमंत्री तक बनने लगा। लेकिन राजशाही बनी रही। मजलिस बनने पर लोगों का राजशाही से विरोध भी खत्म हो गया था। राजशाही का विरोध चाहे उतना न रहा हो, लेकिन ब्रिटेन और रूस का प्रभाव बढ़ता जा रहा था। रूस वैसे भी कहीं न कहीं से ईरान का पड़ोसी था। ब्रिटेन का कभी सूरज नहीं डूबता था। 1921 में ईरान की सेना के एक अधिकारी रजा शाह ने विद्रोह कर दिया। राजा ने उसे शांत करने के लिए युद्ध मंत्री बना दिया। वह प्रधानमंत्री भी बन गया। लेकिन उसने संसद में ही प्रस्ताव पारित करवा कर कजार वंश के राजा को 1925 में हटा दिया और स्वयं राजा बन गया और उसने अपना नाम रखा रजा शाह पहलवी। इस प्रकार पहलवी वंश के शासन की शुरुआत हुई। कहा जाता है कि रजा शाह भी तुर्की के कमाल पाशा अता तुर्क की तरह ईरान को गणतंत्र घोषित करना चाहता था, लेकिन इंग्लैंड ने और मौलवियों ने इसका विरोध किया। अलबत्ता 1906 में बनी संसद चलती रही। बाकायदा चुनाव होते थे, लेकिन ताकत राजा के हाथों में सिमटती गई। इतना कहना पड़ेगा कि रजा शाह ने ईरान के आधुनिकीकरण में एक नया युग शुरू किया। वह मुल्ला मौलवियों के बहुत खिलाफ था। 1941 में विश्व युद्ध शुरू हो गया। रूस और ब्रिटेन ने ईरान पर हमला कर दिया। सबसे पहले रजा शाह पहलवी को गद्दी से उतारा और उसके बेटे मोहम्मद रजा पहलवी को नया राजा बनाया। इसमें कोई शक नहीं कि पहलवी वंश ईरान का आधुनिकीकरण कर रहा था लेकिन अब तक दुनिया को पता चल चुका था कि ईरान और अरेबिया के नीचे तेल है और आने वाले समय में तेल के बिना काम चलने वाला नहीं है। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में सब जानते हैं कि मित्र राष्ट्रों का पलड़ा भारी हो गया था। इसलिए उन्होंने अपनी सुविधा और हितों के अनुसार कई नए देश बनाए और कई खत्म किए। नए देश बनाने में यह ध्यान जरूर रखा कि ये देश पश्चिमी ताकतों के हितों की पूर्ति करते रहें। पर ईरान तो नया देश नहीं था। सभ्यता के लिहाज से वह बहुत ही पुराना देश था। सभ्यता और चिन्तन के मामले में भी पश्चिम से आगे ही था। लेकिन अब तो अरब और ईरान में तेल की एक नई सभ्यता निकल आई थी। विश्व युद्ध ने छोटे मोटे कई अरब देश भी बना दिए थे। ब्रिटेन और अमेरिका ने तेल के लिहाज से इन सभी देशों में अपना वर्चस्व बनाए रखना जरूरी समझा। इस जरूरी समझने में एक समझ यह भी थी कि इन सभी देशों में राजशाही बनी रहे। राजा को काबू करना आसान होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में तो नित प्रधानमंत्री बदलते हैं। नए वाला पुराने के विरोध में ही होता है। किस किस को पटाते रहेंगे। जाहिर है इसके खिलाफ सबसे पहला मोर्चा ईरान में ही लगता। 1951 में राष्ट्रवादी ताकतों ने जोर पकड़ा और मुसद्दिक प्रधानमंत्री चुने गए। मुसद्दिक ने एंग्लो ईरानी आयल कम्पनी का राष्ट्रीयकरण कर लिया। यह कम्पनी इंग्लैंड की थी। ईरान का तेल ले जाती थी और राजस्व के नाम पर थोड़ा ही ईरान को देती थी। मुसद्दिक ने घोषणा कर दी, तेल ईरान का है, इंग्लैंड को नहीं ले जाने देंगे। स्वाभाविक ही इससे इंग्लैंड और अमेरिका को चिन्ता हुई। इस प्रकार की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक हवा बहने लगी तो कल अरब देश भी हत्थे से उखड़ जाएंगे। उधर अरब देशों के बादशाहों को भी चिन्ता हुई कि ईरान की यह हवा हमारे देश में भी आ गई तो उनके सिंहासन उखड़ जाएंगे। संकट के इस काल में अमेरिका और इंग्लैंड दोनों इक_ हुए। सीआईए सक्रिय हुआ। मुल्ला मौलवियों को भी काफी पैसा दिया गया। ईरान में सीआईए की सहायता से मुल्ला मौलवियों का भी एक सशक्त संगठन खड़ा हो गया। उन्होंने हवा फैलाई कि मुसद्दिक शिया पंथ के खिलाफ है। तब जाकर 1953 में मुसद्दिक को बंदी बना लिया गया। मोहम्मद शाह पहलवी को फिर से सारी ताकत मिली। उसने मजलिस की शक्तियों को भी अपने में ही सोख लिया। मजलिस केवल नाम की रही। पहलवी वंश 1979 तक चला। अब तक पहलवी वंश की पहचान बन गई थी कि उसने ईरान जैसी पुरानी सभ्यता को अमेरिका का उपनिवेश बना कर रख दिया है। 1979 तक आते आते मोहम्मद रजा पहलवी के खिलाफ विद्रोह बहुत तेज हो गया। ईरानियों की निगाह में अमेरिका 'शैताने बुजुर्ग', यानी सबसे बड़ा शैतान हो गया था। अब ईरान के पक्के दो दुश्मन हो गए। अमेरिका तो इसलिए कि वह ईरान को अपनी कालोनी बनाना चाहता है और आर्थिक साधनों का दोहन करना चाहता है। अरबों से दुश्मनी तो पुरानी है। ईरान इसलिए भी ताकतवर बनना चाहता है ताकि सभी अरबी उसकी ताकत को स्वीकार कर लें। सासानी ईरानी वंश को अरबों द्वारा हरा दिए जाने का बदला ले लिया जाएगा जब कमजोर अरब देश रक्षा के लिए ईरान की शरण में आएंगे। अमेरिका ईरान को इतना ताकतवर बनने नहीं देगा कि अरब देश अमेरिका का रक्षा कवच छोड़ कर ईरान का रक्षा कवच ले लें। रहा इजराइल, उसे तो अपने अस्तित्व के लिए अरबों से भी लड़ना है और ईरानियों से भी, क्योंकि दोनों आपस में चाहे लड़ते रहें, लेकिन इजराइल को दुनिया के नक्शे से मिटाने की दोनों कसमें खाते हैं।

पश्चिमी ताकतें मिलजुल कर अपनी शक्ति का प्रयोग करती हैं और वृक्षों को काट देती हैं। लेकिन बीज कभी सूखता नहीं। फिर अंकुरित हो जाता है। यदि बहुत पीछे जाना जरूरी हो तो अरबों और ईरानियों की प्रतिद्वन्दिता इस्लाम के आने से भी पूर्व की है। पहले खलीफा और दूसरे खलीफा के नेतृत्व में अरबों ने ईरानियों को पराजित तो कर दिया था और वहां अपना राज भी स्थापित कर लिया। इतना ही नहीं, उन्हें किसी न किसी तरह इस्लाम में मतान्तरित भी कर लिया था। लेकिन ईरान के मन में अरबों से पराजित हो जाने की टीस कभी गई नहीं। इसलिए जब करबला के मैदान में मुसलमानों ने हजरत मोहम्मद के दामाद हुसैन को धोखे से घेर कर सभी सगे संबंधियों समेत कत्ल कर दिया था, तब अली के अनुयायियों ने एक नया शिया पंथ बना लिया था। ईरान मौका पाकर शिया पंथ में खिसक गया। अब अरबों का इस्लाम पंथ हुआ और ईरानियों का शिया पंथ हुआ।

देश | दुनीया से

निर्यात बढ़ाने को जरूरी खास रणनीतिक उपाय

ईरान और इस्राइल-अमेरिका के बीच युद्ध से निर्मित हालात से भारतीय निर्यात पर पड़ने वाले प्रभाव पर संबंधित मंत्रालयों, निर्यातक संगठनों और शिपिंग कंपनियों द्वारा जारी विचार मंथन में दो अहम बातें सामने आ रही हैं। एक, इस युद्ध से भारत के सामने निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की नई चुनौती खड़ी हो गई है। दो, युद्ध के दौर में सरकार द्वारा निर्यातकों को हरसंभव सहयोग- प्रोत्साहन, व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन और सुधारों की डगर पर आगे बढ़ना होगा। उल्लेखनीय है कि भारत के लिए अमेरिका, इस्राइल और ईरान तीनों ही निर्यात के अहम बाजार हैं, ऐसे में न केवल इन तीनों देशों में, बल्कि युद्ध प्रभावित पश्चिम एशियाई और यूरोपीय देशों में भी भारत से होने वाले निर्यात प्रभावित होंगे। विभिन्न देशों में भारत से निर्यात होने वाले खाद्य उत्पाद, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग सामान, बासमती चावल, चाय, मशीनरी, फार्मास्युटिकल्स, रत्न-आभूषण, प्लास्टिक और रबर जैसे क्षेत्रों में निर्यात प्रभावित हो सकते हैं। युद्ध के बीच ईरान द्वारा दुनिया के सबसे अहम तेलमार्ग होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने से विभिन्न देशों के बाजारों में माल दुलाई और बीमा प्रीमियम की लागत बढ़ने से भी भारतीय निर्यात प्रभावित हो सकते हैं। इतना ही नहीं, युद्ध के कारण सोने-चांदी की कीमतों में भारी उछाल से इनके आयात के बढ़े हुए मूल्य के कारण भारत का व्यापार घाटा और बढ़ता नजर आ सकता है। ऐसे में अब युद्ध के कारण निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की नई चुनौती के मद्देनजर भारत द्वारा निर्यात बढ़ाने व व्यापार घाटा नियंत्रित रखने को रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। इसके मद्देनजर चार महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना होगा। पहला, भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत तेजी से कारोबार और निर्यात बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम आगे बढ़ाना। दूसरा, व्यापार समझौतों का पूरा लाभ उठाने के लिए देश में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और नए सुधारों पर ध्यान केंद्रित करना। तीसरा, निर्यात के नए बाजारों में प्रवेश करना। चौथा, आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए हाल में पेश केंद्रीय बजट के तहत घोषित निर्यात प्रोत्साहनों के क्रियान्वयन पर नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही ध्यान दिया जाना। गौरतलब है कि भारत द्वारा कई देशों के साथ जो एफटीए किए गए हैं, उन्हें शीघ्रता से क्रियान्वयन की डगर पर आगे बढ़ाना होगा। इनमें 27 जनवरी को भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) के शिखर सम्मेलन के दौरान घोषित एफटीए सबसे महत्वपूर्ण है। यह एफटीए दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का शानदार उदाहरण है और भारत के लिए अत्यधिक लाभप्रद है। इस समझौते को सभी व्यापार समझौतों की जननी यानी मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स कहते हुए रेखांकित किया गया है कि दुनिया के वर्तमान 'ग्रोथ सेंटर' और इस सदी के आर्थिक पॉवर हाउस भारत के साथ यह एफटीए यूरोप को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते आर्थिक क्षेत्रों में पहली बढ़त दिलाएगा। पिछले वर्ष 2025 में भारत द्वारा ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ किए गए एफटीए का वर्ष 2026 में कार्यान्वयन अहम होगा। इन सबके साथ-साथ मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टीन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ कार्यान्वित हो रहे एफटीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। साथ ही इस वर्ष पेरू, चिली, आसियान, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इस्राइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी नए एफटीए को आकार देने की पहल की जानी होगी। ईरान और इस्राइल-अमेरिका युद्ध के बीच भारत से निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं। ऐसे में भारत द्वारा निर्यात बढ़ाने के लिए चिन्हित किए गए करीब 200 देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। एक फरवरी को वित्तमंत्री द्वारा पेश केंद्रीय बजट 2026-27 में विनिर्माण, वस्त्र, चमड़ा और समुद्री भोजन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्यात बढ़ाने के लिए जो कई रणनीतिक उपाय किए गए हैं, उन पर नए वित्तीय वर्ष में शुरुआत से ध्यान देना होगा। निःसंदेह, इस समय वैश्विक व्यापार और वैश्विक निर्यात में कमी की चुनौतियां सामने खड़ी है, तब भारत से निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर निर्यातकों की दिक्कतों को कम करना होगा। ये दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं वरन एंटी-डंपिंग शुल्क से भी संबंधित हैं। घरेलू कच्चे माल की ऊंची लागत और ईंधन की उच्च कीमतों के कारण भी भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले उत्पाद वैश्विक स्तर से करीब 15-20 फीसदी की अधिक लागत पर दिखाई देते हैं। निर्यात बढ़ाने के लिए राज्यों में मान्यताप्राप्त आधुनिक प्रयोगशालाएं भी जरूरी हैं। घरेलू ढांचागत सुधारों के प्रति भी नए सिरे से प्रतिबद्धता आवश्यक होगी। इस हेतु देश में नियमों और नियामक संस्थाओं के कामकाज में मूलभूत बदलाव की जरूरत है। कर सुधारों को और गहराई देने के साथ जीएसटी प्रणाली को प्रभावी बनाया जाये। सिस्टमैटिक्स ग्रुप की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत द्वारा व्यापार समझौतों का अधिकतम लाभ लेने के लिए घरेलू कंपनियों को गुणवता, तकनीक और कुशल कर्मियों के साथ आगे बढ़ना होगा। हमें घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक ताकत बढ़ाने, एफटीए के लिए जागरूकता में इजाफे, गैर-टैरिफ बाधाएं दूर करने, सेवा क्षेत्र का लाभ उठाने, निर्यात में विविधता, कृषि और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा करने के साथ-साथ, पर्यावरण और श्रम मानकों के परिपालन पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

आप का | नजरीया

महिला सैलानियों के लिए

अपने पर्यटन के बीच खास पर्यटन की खोज में हिमाचल ने 'शी-स्टे' योजना के आरंभिक मानचित्र पर काम करना शुरू किया है। तीन चरणों की योजना में महिला सैलानी के अनुभव में सुरक्षित वातावरण, चुस्त मेहमाननवाजी, अलंकृत व्यवस्था तथा महिलाओं की भागीदारी से सहजता प्रदान की जा रही है। शी-स्टे की संपत्तियों का चयन व प्रमाणिकता के साथ आश्वासन के हस्ताक्षर करती यह योजना 'शी शील्ड मोबाइल एप' के जरिए लोकेटर, यात्रा प्लानर, विविधताओं और आकर्षणों की पेशकश, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा महिला सशक्तिकरण का अनूठा पथ विकसित कर रही है। स्वतंत्र महिलाओं के एकल कदम हिमाचल को चिन्हित करते हैं, तो राज्य की अधोसंरचना विकास तथा निजी क्षेत्र के साथ सहयोग भी अलग तरह की संभावनाओं का आकाश खोल सकता है। वास्तव में 'शी-स्टे' की अवधारणा युवा पर्यटन की ही एक ब्रांच है, जो पिछले दशक से हिमाचल के भीतरी, कबायली और ग्रामीण इलाकों में विश्रांति का रास्ता खोज रहा है। यह वर्ग हिमाचल की शांति में आध्यात्मिक ऊर्जा का संवाहक बन रहा है, तो संस्कृति के अछूतेपन को महसूस कर रहा है। ऐसे कई युवा ग्रुप या तो अपने प्रोफेशन के प्रोजेक्ट्स के साथ दो-तीन महीने गुजारने की अनूठी पहल से आते हैं या शिक्षा के हर दौर से गुजरे याराना को फिर से बसाने के लिए हिमाचल में जगह खोजते हैं। ज्यादातर आईटी प्रोफेशनल कारपोरेट जगत के तनाव और दबाव से दूर रह कर पहाड़ की संगत में मौसम, प्रकृति की निर्मलता, सौम्यता व प्रदूषण रहित माहौल की दरियादिली में खुद में ताजगी लेकर लौटना चाहते हैं। ऐसे में युवा महिलाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाते हुए हिमाचल एक कदम और आगे जाना चाहता है, तो प्रदेश के कई रेस्ट हाउसों, सरकारी होटलों, होम स्टे व निजी पर्यटन इकाइयों में नए परिचय के साथ यह सुनिश्चित होना चाहिए कि इन्हें 'शी-स्टे' के लिए अधिकृत किया गया है। यह कार्य आसानी से हो सकता है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी का सबब बनती है महिला ट्रैवलिंग। बेशक हिमाचल परिवहन निगम इस दिशा में कई सफल प्रयोग कर सकता है, लेकिन यात्रा से स्थानीय साइट सीईंग तक की बुकिंग में पर्यटन तथा परिवहन निगमों को पैकेज के तहत सारे स्टे का सुरक्षित प्रबंधन करना पड़ेगा। शी-स्टे की जरूरतों में बजटीय इकाइयों में से एक तो एचआरटीसी के मॉडर्न बस स्टैंड ही हो सकते हैं। बस स्टैंड परिसर में अगर होटल संभव नहीं तो विशेष हॉस्टल बनाए जा सकते हैं। इसके अलावा एचआरटीसी पर्यटक टैक्सियों का संचालन निजी क्षेत्र के सहयोग से कर सकता है, जहां प्री पेड टैक्सी सेवा के जरिए हिमाचल के भीतर घूमना आसान हो सकता है। मंदिर ट्रस्ट भी अपने परिसर में धार्मिक यात्रा के पड़ाव की तरह विशेष छात्रावास बनाकर महिला यात्रियों को सुरक्षित पनाह दे सकते हैं। पर्यटक स्थलों के स्थानीय निकायों को अब अपने दायरे में पर्यटन का राजदूत बनना पड़ेगा। पर्यटक केंद्रों के स्थानीय निकाय अपनी संभावनाओं के अक्स में ऐसी संपत्तियां विकसित कर सकते हैं, जहां किसी महिला सैलानी को सुरक्षित पनाह मिल सके। प्रदेश के भाषा-संस्कृति विभाग व ट्राइबल महकमे को ऐसे प्रयोग करने चाहिएं ताकि महिला यात्रियों के पड़ाव बढ़ें और इनकी सुरक्षित निगरानी भी हो सके। तमाम विश्वविद्यालयों, मेडिकल कालेजों व आईटी से संबद्ध शिक्षण संस्थानों में युवा उद्यमियों, अध्ययनकर्ताओं, शोधार्थियों और प्रोफेशनल की स्टे में महिला पात्रों को वरीयता देने के इंतजाम हो सकते हैं। डेढ़ साल से बनकर तैयार चैतड़ू का आईटी पार्क अगर अपने आंचल में आईटी कंपनियों को जगह नहीं दे पा रहा है, तो कम से कम इसे भारत भर से धर्मशाला आ रहे घुम्मकड़ आईटी युवा प्रोफेशनल के लिए 'वर्क फ्रॉम होम' की तरह इस्तेमाल और रहने की जगह में बदल देना चाहिए। हिमाचल युवा पर्यटकों के कारण चर्चित हो रहा है और आने वाले फूड व ट्रैवल ब्लागर्स में महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ी है। ऐसे में हिमाचल में आने वाले युवाओं के साथ मिलकर कई इवेंट प्लान किए जा सकते हैं।

शी-स्टे की संपत्तियों का चयन व प्रमाणिकता के साथ आश्वासन के हस्ताक्षर करती यह योजना 'शी शील्ड मोबाइल एप' के जरिए लोकेटर, यात्रा प्लानर, विविधताओं और आकर्षणों की पेशकश, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा महिला सशक्तिकरण का अनूठा पथ विकसित कर रही है। स्वतंत्र महिलाओं के एकल कदम हिमाचल को चिन्हित करते हैं, तो राज्य की अधोसंरचना विकास तथा निजी क्षेत्र के साथ सहयोग भी अलग तरह की संभावनाओं का आकाश खोल सकता है। वास्तव में 'शी-स्टे' की अवधारणा युवा पर्यटन की ही एक ब्रांच है, जो पिछले दशक से हिमाचल के भीतरी, कबायली और ग्रामीण इलाकों में विश्रांति का रास्ता खोज रहा है। यह वर्ग हिमाचल की शांति में आध्यात्मिक ऊर्जा का संवाहक बन रहा है, तो संस्कृति के अछूतेपन को महसूस कर रहा है। ऐसे कई युवा ग्रुप या तो अपने प्रोफेशन के प्रोजेक्ट्स के साथ दो-तीन महीने गुजारने की अनूठी पहल से आते हैं या शिक्षा के हर दौर से गुजरे याराना को फिर से बसाने के लिए हिमाचल में जगह खोजते हैं। ज्यादातर आईटी प्रोफेशनल कारपोरेट जगत के तनाव और दबाव से दूर रह कर पहाड़ की संगत में मौसम, प्रकृति की निर्मलता, सौम्यता व प्रदूषण रहित माहौल की दरियादिली में खुद में ताजगी लेकर लौटना चाहते हैं।

कुछ | अलग

नहीं नहाने का फैशन

अलबेलों और मस्तानों का भारत देश अपनी गौरवशाली परंपराओं के लिए विश्वविख्यात है। हमारे यहां भांति-भांति के लोग हैं, जिनकी अपनी मौलिक विशेषताएं हैं। इन्हीं लोगों से एक प्रजाति है नहीं नहाने वालों की। नहीं नहाने वाले ये लोग खैर सर्दियों में तो नहाते ही नहीं, अपितु ग्रीष्म ऋतु में भी प्रमाद उन्हें इस क्रिया को सचेष्ट नहीं करता। पानी काया पर डालने से मौत आती है और वर्तमान में पानी उनका जानी दुश्मन हो रहा है। इधर सर्दी का तापमान नीचे आता है, इधर उनके प्राण हलक में आने लगते हैं। ड्राइक्लीन के नए फैशन ने ऐसे लोगों की बड़ी हौसला अफजाई की है। हालत यह है कि इनके सामने नहाने वाले भी फीके पड़ जाएं। नहाने वाले से ये कहें कि यार कभी तो नहा लिया करो और इनसे ये कहो कि यार बड़ा रेगुलर नहाते हो। सौंदर्य प्रसाधनों के आविष्कार ने इनके साथ बड़ा न्याय किया है। ऊपर से चेपाचापी की और नए संस्करण में प्रस्तुत। हमारे बरखुरदार कुलदीपक का भी इन दिनों यह आलम चरम पर है। जींस में सज-धज कर जब ये घर से बाहर निकलते हैं तो ठंडे पानी से सुबह-सुबह विहान में नहाए लोगों के सिर शर्म से झुक जाते हैं। लेकिन पास में खड़े होकर बात करो तो पसीना अपनी गंध की वास्तविकता का बखान करने लगता है। एक दिन जब यह गंध असहाय हो गई तो मैंने कहा- 'अरे कुलदीपक आज तो नहा लो लाला। संडे है, धूप भी खिल रही है, तापमान भी आज थोड़ा बढ़ा हुआ है।' बहुत ही मोहक अंदाज में वह बोला- 'ओह डैड आप भी हद करते हैं। जरा गौर से देखिये मैं आपको कैसे बिना नहाए दिखाई दे रहा हूं। इस घर में रहने का मतलब यह तो नहीं कि आप वास्तविकता को जानकर मुझ पर अंगुली उठाएं। बाहर तो मुझसे कोई कुछ नहीं कहता।'

दृष्टि | कोण

अकादमियों के लिए बजट में धन का प्रावधान हो

2030 अहमदाबाद राष्ट्रमंडल खेलों व 2036 में होने वाले ओलंपिक को देखते हुए बजट 2026 में सरकार प्रतिभा व सुविधा के अनुसार हिमाचल प्रदेश के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में भी सरकार खेल विंग, स्कूलों में और अधिक खेलों के लिए छात्रावास तथा जिला व उपमंडल स्तर पर खेल अकादमियां खोलती है, तो भविष्य में हिमाचल के खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के कई महाविद्यालयों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल ढांचा तैयार खड़ा यूं ही बेकार हो रहा है। इस कॉलम के माध्यम से पहले भी इस विषय पर बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर सरकार का रवैया उदासीन रहा है। खेल विंगों के लिए सरकार को न तो खेल ढांचा खड़ा करना पड़ता है और न ही नया छात्रावास बनाना पड़ता है। केवल खेल विशेष का प्रशिक्षक और खिलाडियों के लिए खुराक व रहने का प्रबंध करना होता है जो आसानी से बहुत कम धन राशि खर्च करके हो सकता है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद काफी सुधरा है। स्कूली स्तर पर खेल छात्रावासों को आज से तीन दशक पहले शुरू कर दिया गया था। पपरोला का बास्केटबॉल खेल छात्रावास तत्कालीन भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षक जन्म चंद कटोच के प्रशिक्षण में काफी फला फूला था। स्कूली स्तर पर एशियाई प्रतियोगिता में कई खिलाडियों ने शिरकत की थी। सुरेश व सुरजीत जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इसी प्रशिक्षण की देन हैं। हाकी में माजरा स्कूली खेल छात्रावास की लड़कियों ने पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय स्कूली खेलों में हिमाचल प्रदेश को पदक तालिका में स्थान दिलाया है। इन लड़कियों को ऐस्ट्रो टर्फ मिले तो यहां से और भी अच्छे परिणाम आ सकते हैं। क्या इस खेल छात्रावास को फीडिंग रख कर अच्छे खिलाडियों को ऐस्ट्रो टर्फ पर प्रशिक्षण के लिए ऊना में एक और नया स्कूल स्तर पर लडके व लड़कियों के लिए छात्रावास जल्द ही हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग को खोलना चाहिए। हिमाचल प्रदेश के स्कूली लडकों ने भी कुछ वर्ष पहले अंडर 17 वर्ष आयु वर्ग में हिमाचल प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक हासिल किया था। स्कूल स्तर की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिमाचल प्रदेश का प्रदर्शन सम्मानजनक खेल छात्रावासों के कारण रहता है। हिमाचल प्रदेश में स्कूली स्तर पर पपरोला में लडकों के लिए बास्केटबॉल, सुंदरनगर व नादौन में लडकों की हाकी, माजरा में लड़कियों के लिए हाकी में खेल छात्रावास चल रहे हैं। वालीबाल में स्कूली स्तर पर प्रशिक्षण का अच्छा प्रबंध है। मतियाणा व रोहड़ू में लड़कों को तथा कोटखाई में लड़कियों के लिए खेल छात्रावासों को वर्षों पहले से शुरू किया गया है। रोहड़ू में फुटबॉल का भी खेल छात्रावास है। पिछले कुछ वर्षों में भी स्कूली स्तर पर कई जगह खेल छात्रावास खोले हैं। इन सब नए पुराने छात्रावासों में अच्छे प्रशिक्षकों व सुविधाओं के साथ खेल सुविधाओं में काफी सुधार की जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में भारतीय खेल प्राधिकरण ने तीस वर्ष पहले शिलारू में विशेष खेल क्षेत्र योजना के अंतर्गत खेल छात्रावास शुरू किया था, जो राष्ट्रीय स्तर पर अच्छे परिणाम देने के बावजूद बंद हो गया था। उसी समय बिलासपुर व धर्मशाला में भारतीय खेल प्राधिकरण ने खेल छात्रावासों की शुरुआत की और ये आज तक चल रहे हैं। बिलासपुर में साई के तत्कालीन वालीबाल प्रशिक्षक स्वर्गीय एनके शर्मा ने बंगाणा क्षेत्र के सुरजीत सहित कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को तराश कर भविष्य के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है।

छुट्टी पर आए सैनिक ने माता पिता को गोली मारी, हालत गंभीर

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के बठिंडा में छुट्टी पर आए एक सैनिक ने अपने माता-पिता को गोली मार दी। गोली लगने के बाद दोनो को गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार सेना में कांस्टेबल के पद पर तैनात फौजी हरप्रीत सिंह हाल ही में छुट्टी पर अपने घर आया था। गुरुवार की रात उसका पिता दलजीत सिंह व माता परमजीत कौर से झगड़ा हो गया। झगड़े के बाद अचानक उसने माता-पिता पर फायर कर दिया। गोली की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। एक गोली मां के चेहरे को छूते हुए निकल गई। वहीं, पिता के बाजू में गोली लगी। जोगी नगर कैनाल कॉलोनी पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर हरजोत सिंह ने कहा कि फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने मौके से हथियार को कब्जे में ले लिया है।

पंजाब में बजट से पहले सस्ती हुई बिजली, जारी रहेगी मुफ्त बिजली योजना

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने राज्य के बिजली उपभोक्ताओं को राहत देते हुए बिजली की दरों में कटौती की है। नई दरें एक अप्रैल से लागू होंगी। पंजाब सरकार ने शुक्रवार को नए रेट जारी करते हुए बताया है कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली दरों में 1.5 प्रति यूनिट तक की कमी की गई है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में उपभोक्ताओं को मिल रही 300 यूनिट मुफ्त बिजली की सुविधा पहले की तरह जारी रहेगी। पंजाब स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमिशन ने बताया कि कमर्शियल उपभोक्ताओं की बिजली दरों में 79 पैसे प्रति यूनिट कम किए गए हैं। औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए बिजली दरों में 74 पैसे प्रति यूनिट की कमी की गई है। इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशनों के लिए बिजली दरों को पांच रुपए प्रति यूनिट कर दिया गया है। जो कि देश में सबसे कम है। सात किलोवाट 0 से 500 यूनिट तक पुरानी दर 6.89 प्रति यूनिट थी, जिसे घटाकर 6.10 प्रति यूनिट कर दिया गया है। यानी 79 पैसे प्रति यूनिट की कमी की गई है। सात किलोवाट तक 500 यूनिट से अधिक बिजली खप्त के लिए पहले उपभोक्ताओं को 7.75 प्रति यूनिट देना पड़ता था, अब यह घटकर 7.10 प्रति यूनिट हो गया है। सात किलोवाट से 20 किलोवाट तक शून्य से 500 यूनिट तक पहले दर 6.89 प्रति यूनिट थी, जिसे घटाकर 6.10 प्रति यूनिट कर दिया गया है। यानी 79 पैसे प्रति यूनिट कम किए गए हैं। इसी श्रेणी में 500 यूनिट से अधिक की खप्त पुरानी दर 7.75 प्रति यूनिट थी, जो अब 7.10 प्रति यूनिट कर दी गई है। 20 किलोवाट से 100 किलोवाट तक पहले दर 6.75 प्रति यूनिट थी, अब इसे घटाकर 6.25 प्रति यूनिट कर दिया गया है। 100 किलोवाट से अधिक (सभी यूनिट) पुरानी दर 6.96 प्रति यूनिट थी, जिसे घटाकर 6.45 प्रति यूनिट किया गया है। पहले चार्जिंग के लिए 6.28 प्रति यूनिट देने पड़ते थे, अब यह घटकर 5.00 प्रति यूनिट कर दिया गया है। इस श्रेणी में 1.28 प्रति यूनिट की सबसे बड़ी कटौती की गई है। पंजाब सरकार प्रति माह 300 यूनिट फ्री बिजली उपभोक्ताओं को देती है। इससे ज्यादा बिजली यूनिट खर्च करने पर उपभोक्ताओं को पूरा बिल देना होता है। अब ऐसे उपभोक्ताओं के बिजली बिल में भी कटौती हो जाएगी। पीएसपीसीएल अब तक 2 किलोवाट लोड तक वाले उपभोक्ताओं से पहली 300 यूनिट का बिल 5.40 रुपए प्रति यूनिट वसूलता है। अगर खपत 300 यूनिट से ज्यादा होती है तो ऊपर की यूनिट की दर 7.75 रुपए थी। इसी तरह 2 किलोवाट से 7 किलोवाट खपत वाले उपभोक्ताओं से पहले 300 यूनिट का बिल 5.72 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से वसूला जाता है। जबकि 300 से ऊपर की यूनिटों का रेट 7.75 रुपए प्रति यूनिट था। अब सरकार ने सभी रेटो में 1.50 रुपए की कटौती कर दी है। 7 किलोवाट से ज्यादा लोड वाले घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली यूनिटों की दरों में 1.50 रुपए प्रति यूनिट की कटौती की गई है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार की तस्वीर व तकदीर दोनों बदलने का काम किया : राजीव रंजन साह

सहरसा (हिंस)। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन साह ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का वर्ष 2005 से अब तक का नेतृत्व राज्य के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज रहेगा। उन्होंने कहा कि जिस समय बिहार निराशा, अव्यवस्था और पिछड़ेपन की पहचान बन चुका था। उस दौर में नीतीश कुमार ने सुशासन, विकास और सामाजिक समरसता की नई राह दिखाने का साहसिक कार्य किया। राजीव रंजन साह ने कहा कि सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और कानून व्यवस्था जैसे अनेक क्षेत्रों में किए गए कार्यों ने बिहार की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने का काम किया है। बालिका साइकिल योजना जैसी पहल से जहां लड़कियों की शिक्षा को नई गति मिली, वहीं अल्पसंख्यक समाज के लिए कब्रिस्तानों की घेराबंदी और मुस्लिम महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने जैसे कदम भी उल्लेखनीय रहे। उन्होंने कहा कि बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार का स्थान जननायक कर्पूरी ठाकुर की तरह सम्मान और श्रद्धा के साथ लिया जाएगा। उनकी जनकल्याणकारी नीतियों ने समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ाने का काम किया है। भाजपा नेता ने कहा कि नीतीश

कुमार एक नाम नहीं बल्कि विकास और सुशासन के पर्याय बन चुके हैं। उन्होंने समाजवाद और समता आधारित समाज की स्थापना के लिए लगातार कार्य किया है। शराबबंदी, *सात निश्चय* योजना, महिला सशक्तिकरण, बिजली-सड़क जैसे बुनियादी ढांचे में सुधार तथा कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने जैसे फैसले उनके नेतृत्व की महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। राजीव रंजन साह ने कहा कि बिहार की माटी को सोना बनाने वाले इस महान शिल्पकार के प्रति यहां का कण-कण कृतज्ञ है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जदयू के नेताओं ललन सिंह, संजय झा, अशोक चौधरी और विजय चौधरी को लेकर तंज कस रहे हैं लेकिन यह समझना होगा कि गठबंधन की राजनीति में कई निर्णय परिस्थितियों के अनुसार लिए जाते हैं और बहुत सी बातें पर्दे के पीछे रहती हैं।

जाली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़, आठ सदस्य गिरफ्तार

आजमगढ़ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के आजमहढ़ जिले के रौनापार थाना क्षेत्र में पुलिस ने जाली करेंसी बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए गिरोह के आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से करीब 1.19 लाख रुपए की जाली मुद्रा, नोट छापने के उपकरण, लैपटॉप, प्रिंटर, सात मोबाइल फोन और एक कार बरामद की है। पुलिस लाइन सभागार में शुक्रवार को खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि रौनापार थानाध्यक्ष मंतोष सिंह अपनी टीम के साथ क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि टेकनपुर पुलिया के पास एक सफेद कार में कुछ लोग जाली नोटों का लेनदेन कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने तीन टीमें बनाकर टेकनपुर पुलिया के पास घेराबंदी की और करीब साढ़े बारह बजे छह आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में नितिन सिंह उर्फ भोला, ऋषिकेश सिंह उर्फ शनि, अभिषेक सिंह उर्फ कान्हा, आदित्य सिंह उर्फ चंकी, शिवम सिंह उर्फ विदुर निवासीगण बरडीहा थाना रौनापार तथा मुन्ना पांडेय निवासी बड़हलगंज गोरखपुर शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ और निशानदेही पर ग्राम जगदीशपुर थाना जीयनपुर से मनोज कुमार और रुद्र पांडेय को भी जाली नोट बनाने में प्रयुक्त उपकरणों के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि इस गिरोह का सरगना मनीष मिश्रा है, जो अपने साथियों के साथ लैपटॉप और प्रिंटर की मदद से ए-4 साइज के पेपर पर जाली नोट छापता था। इसके बाद पेपर कटर से काटकर उन्हें असली नोटों के आकार में तैयार किया जाता था। गिरोह के सदस्य जाली नोटों को असली नोटों की गड्डियों के बीच रखकर बाजारों और दुकानों में चलाते थे, जिससे लोग आसानी से पहचान नहीं कर पाते थे।

आर्य समाज सामाजिक सांस्कृतिक व्यवस्था का सुदृढ़ आधार : राज्यपाल

सोनीपत (हिंस)। पंडित लेखराम शहीदी दिवस एवं भगत फूल सिंह जयंती के उपलक्ष्य में गांव माहरा में आर्य महासम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गुजरात तथा महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने मुख्य अतिथि कहा कि सामाजिक सांस्कृतिक व्यवस्था का आर्य समाज सुदृढ़ आधार है। सम्मेलन में बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान और आर्य समाज से जुड़े लोग उपस्थित रहे। आचार्य देवव्रत ने शुक्रवार को अपने संबोधन में कहा कि देश की सामाजिक तथा सांस्कृतिक व्यवस्था को सुदृढ़ आधार देने में आर्य समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित आर्य समाज ने उस समय हिंदू समाज को संगठित करने तथा वेदों के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। आर्य समाज ने समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने और सामाजिक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद के विचारों से प्रेरित होकर मुंशीराम, जो बाद में स्वामी श्रद्धानंद के नाम से प्रसिद्ध हुए, ने हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना की। इसके माध्यम से गांव-गांव तक वैदिक विचारधारा का प्रचार-प्रसार हुआ और समाज में शिक्षा तथा जागरूकता का वातावरण बना। पंडित लेखराम के जीवन का उल्लेख करते हुए आचार्य देवव्रत ने कहा कि उन्होंने धर्म परिवर्तन की ओर बढ़ रहे हिंदुओं को बचाने के लिए लगातार प्रयास किए और समाज सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया। वहीं भगत फूल सिंह के बारे में उन्होंने बताया कि प्रारंभ में वे पटवारी थे, लेकिन आर्य समाज की शिक्षाओं से प्रभावित होकर उन्होंने गुरुकुल खानपुर की स्थापना की और विशेष रूप से महिला शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आचार्य देवव्रत ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद, पंडित लेखराम तथा भगत फूल सिंह जैसे आर्य समाजियों ने हरियाणा के गांव-गांव तथा शहरों में वैदिक विचारों की अलख जगाई। उनके प्रयासों का ही परिणाम है कि खानपुर, भैंसवाल, मटिंडू और झज्जर सहित अनेक स्थानों पर आज भी गुरुकुल और शैक्षणिक संस्थान संचालित हो रहे हैं। महासम्मेलन के दौरान उन्होंने प्राकृतिक खेती की महत्ता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यूरिया और डीएपी जैसे रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मानव शरीर में धीमा जहर पहुंच रहा है, जिससे कई प्रकार की दीर्घकालिक बीमारियां बढ़ रही हैं। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया ताकि पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों की रक्षा हो सके। उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र स्थित अपने 180 एकड़ के खेत में देशी गाय के गोबर और गौमूत्र से तैयार जीवामृत तथा धन जीवामृत के प्रयोग से प्राकृतिक खेती की जा रही है।

अजमेर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम आज

अजमेर (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लघु उद्योग भारती महिला इकाई, अजमेर द्वारा 7 मार्च को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम *क्वीन ऑफ एंटरप्राइज* थीम पर आधारित होगा, जिसका उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भरता, उद्यमिता और नेतृत्व के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम का आयोजन 7 मार्च को सायं 3-30 बजे, वेगा मॉल, अजमेर में किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली अग्रणी एवं प्रेरणादायी महिलाओं का सम्मान (फेलिसिटेशन) किया जाएगा। इसके साथ ही महिलाओं के लिए सरकारी योजनाओं, सब्सिडी और उद्यमिता से जुड़ी संभावनाओं पर एक विशेष जानकारीपरक सत्र भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के बारे में मार्गदर्शन दिया जाएगा। लघु उद्योग भारती महिला इकाई, अजमेर की ओर से यह संदेश दिया गया है कि आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता से नई पहचान बना रही हैं। इसी उद्देश्य से यह कार्यक्रम महिलाओं को प्रेरित करने, जागरूक बनाने और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में उद्यमी, पेशेवर, शिक्षिका, सामाजिक कार्यकर्ता, विद्यार्थी, गृहिणी सहित सभी क्षेत्रों की महिलाएं भाग ले सकती हैं। आयोजकों ने विशेष रूप से गृहिणियों से भी कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है ताकि वे भी सरकारी योजनाओं और नए अवसरों की जानकारी प्राप्त कर सकें तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा सकें। लघु उद्योग भारती महिला इकाई, अजमेर ने शहर की सभी महिलाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर इस प्रेरणादायी पहल का हिस्सा बनें और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें।

बिहार में राजनीति हलचल के बीच जदयू के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए उमेश कुशवाहा ने नामांकन किया

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की घोषणा और नामांकन के बाद शुक्रवार को जदयू के अंदर गतिविधियां तेज हो गयी है। आज शाम को नीतीश कुमार सांसद, विधायक और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करने वाले है। इससे पूर्व पार्टी में प्रदेश अध्यक्ष के चयन को लेकर कवायद शुरू हुई है। शुक्रवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए उमेश कुशवाहा ने नामांकन दाखिल किया। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन की अंतिम तिथि शुक्रवार थी। उमेश कुशवाहा के नामांकन में कई वरिष्ठ नेताओं ने प्रस्तावक की भूमिका निभाई। इनमें सांसद रामनाथ ठाकुर, बिहार सरकार की मंत्री लेसी सिंह, मंत्री श्रवण कुमार सहित पार्टी के कई विधायक शामिल रहे। पार्टी नेताओं से मिल रही जानकारी के मुताबिक अब तक किसी अन्य नेता ने इस पद के लिए नामांकन नहीं किया है। ऐसे में उमेश कुशवाहा का तीसरी बार निर्विरोध जदयू प्रदेश अध्यक्ष चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है। नामांकन के बाद उमेश कुशवाहा ने कहा कि शुक्रवार शाम 5 बजे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में जदयू विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। इस बैठक में मुख्यमंत्री मौजूदा राजनीतिक हालात को लेकर पार्टी विधायकों से चर्चा करेंगे और अपनी बात रखेंगे। मौके पर मौजूद बिहार सरकार की मंत्री लेसी सिंह ने आज शाम होने वाली पार्टी की इस बैठक को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आवास पर शाम 5 बजे होने वाली बैठक में जदयू के सभी विधायक शामिल होंगे। लेसी सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति कार्यकर्ताओं का भावुक होना स्वाभाविक है, क्योंकि पिछले करीब 20 वर्षों में उन्होंने राज्य के विकास के लिए काम किया है और पार्टी के हर कार्यकर्ता ने उनका साथ दिया है।

पंजाब में राज्यपाल के अभिभाषण पर सदन के भीतर व बाहर कांग्रेस का हंगामा

विधायकों ने किया बैंड-बाजे के साथ विधानसभा परिसर में प्रदर्शन

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विधानसभा में शुक्रवार को राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया के बजट अभिभाषण के साथ बजट सत्र की शुरुआत हुई। राज्यपाल ने करीब एक घंटा चार मिनट तक बजट अभिभाषण के दौरान सरकार का रोडमैप पेश किया। राज्यपाल जब विधानसभा में पहुंचे तो मुख्यमंत्री भगवंत मान तथा स्पीकर कुलतार सिंह संधवा ने उनका स्वागत किया। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान राष्ट्रगान तो हुआ, लेकिन सदन में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम नहीं बजाया गया। इस पर राज्यपाल ने आपत्ति जताई। राज्यपाल कटारिया ने जैसे ही अपना अभिभाषण शुरू किया, तो कांग्रेस विधायकों ने विरोध शुरू कर दिया। राज्यपाल ने भाषण बीच में रोककर कई बार कांग्रेस विधायकों को शांत रहने की अपील की, लेकिन कांग्रेस का हंगामा जारी रहा। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद सदन की कार्यवाही को दो बजे तक स्थगित कर दिया गया। इसके बाद दोबारा कार्यवाही शुरू हुई, तो कई दिवंगतों को श्रद्धांजलि भेंट की गई। सुबह विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले आप विधायकों ने सदन के बाहर बैंड-बाजे के साथ नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा के विरुद्ध प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने कहा कि एमएलए हॉस्टल और विधानसभा के भीतर इस तरह का प्रदर्शन गैरकानूनी है। कांग्रेस विधायक दल नेता बाजवा ने कहा कि इस बारे में राज्यपाल को शिकायत की जाएगी। विधानसभा के बाहर भी कांग्रेस ने जमकर हंगामा किया। सेक्टर-15 में कांग्रेस दफ्तर के पास आप सरकार के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हुए विधानसभा की ओर बढ़े, लेकिन पुलिस ने बैरिकेडिंग करके उन्हें रोक लिया। इस दौरान पुलिस ने उनपर पानी की बौछारें में छोड़ी। इसके बाद पुलिस ने पंजाब कांग्रेस प्रधान राजा वडिंग, बलबीर सिंह सिद्धू समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया है।

पेट्रोल डीजल की कोई कमी नहीं, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई : डीएम

बाराबंकी (हिंस)। सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से जिले में पेट्रोल एवं डीजल की कमी होने संबंधी भ्रामक सूचनाएं प्रसारित की जा रही हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने स्पष्ट किया है कि यह सूचना पूरी तरह निराधार एवं भ्रामक है। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है तथा आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य एवं सुचारु रूप से संचालित हो रही है। प्रशासन सभी पेट्रोल पंपों की स्थिति पर सतत निगरानी रख रहा है और कहीं भी ईंधन की कमी की कोई स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों ने सोशल मीडिया के माध्यम से अनावश्यक भ्रम एवं अफवाह फैलाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे आमजन में अनावश्यक चिंता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। प्रशासन ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए विभिन्न माध्यमों के जरिए लगातार निगरानी रख रहा है।

शिविर में किया स्वयंसेवकों की क्षमता का विकास

जोधपुर (हिंस)। नागरिक सुरक्षा क्षमता संवर्धन योजना (भारत सरकार) के अंतर्गत वार्डन एवं स्वयंसेवकों के लिए द्वितीय बैच का सात दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शुक्रवार को हुआ। प्रशिक्षण शिविर में आपदा की स्थिति में त्वरित, संगठित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए स्वयंसेवकों की क्षमता का विकास किया गया। उप नियंत्रक अंजुम ताहिर शम्मा के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण में अधिकारी राजकंवर एवं राजेंद्र सिंह जोधा के निर्देशन में विभिन्न सत्र संचालित किए गए। प्रशिक्षण में नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के मूल सिद्धांतों के साथ-साथ आधुनिक आपदा परिस्थितियों में स्वयंसेवकों की भूमिका पर विशेष बल दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को अग्निशमन उपकरणों के सही उपयोग, फायर-फाइटिंग प्रणाली, खोज एवं बचाव कार्य, मलबा हटाने की तकनीक, प्राथमिक उपचार तथा सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) जैसी जीवन रक्षक प्रक्रियाओं का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अभ्यास करवाया गया। आपातकालीन परिस्थितियों में समन्वय, अनुशासन और तत्परता बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया है। नागरिक सुरक्षा के मास्टर ट्रेनर चंपालाल सोलंकी एवं टीकूराम द्वारा प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जिससे वे किसी भी आपदा की स्थिति में प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्य कर सकें। सात दिवसीय सिविल डिफेंस की द्वितीय बैच परीक्षण के दौरान सहयोगी सीडीआई लेखराज वर्मा और राकेश चौधरी का सहयोग रहा।

भारत विश्व का सबसे बड़ा मसाला उत्पादक, उपभोक्ता तथा निर्यातक देश

अजमेर (हिंस)। भारत विश्व का सबसे बड़ा मसाला उत्पादक, उपभोक्ता तथा निर्यातक देश है। वर्तमान में देश में लगभग 44 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मसालों की खेती होती है तथा 111.55 लाख टन उत्पादन के साथ इसका वार्षिक मूल्य लगभग 37, 000-40, 000 करोड़ रुपए है। वैश्विक स्तर पर भारत का 48 प्रतिशत उत्पादन एवं 43 प्रतिशत मूल्य हिस्सेदारी है। देश से 160 से अधिक देशों में 15-18 लाख टन मसालों का निर्यात होता है। इस क्षेत्र से लगभग 1.9 करोड़ किसान परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है। पिछले दो दशकों में मसाला क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसमें उत्पादन में 186 प्रतिशत, क्षेत्रफल में 86 प्रतिशत तथा उत्पादकता में 54 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। यह जानकारी राजस्थान के अजमेर जिले के तबीजी क्षेत्र स्थित केंद्रीय बीजीय मसाला एवं अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. विनय भारद्वाज ने संस्थान के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित रजत जयंती संबंधी गतिविधियों की जानकारी देते हुए मीडिया को दी। भारद्वाज ने बताया कि भविष्य की रणनीति में जीनोमिक्स आधारित प्रजनन, जीन संपादन (सीआरआईएसपीआर), जीनोमिक चयन, डिजिटल कृषि, ब्लॉक चेन ट्रेसबिलिटी, आईओटी आधारित निगरानी, जैविक खेती तथा जलवायु- सहिष्णु किस्मों का विकास शामिल है। वर्ष 2030 तक 10 बिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गुणवत्ता प्रमाणन, प्रसंस्करण अवसंरचना, नए बाजारों का विस्तार तथा डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से किसानों को वैश्विक बाजार से जो ?ना आवश्यक होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारत का मसाला निर्यात लगभग 1.53 मिलियन टन (4.18 बिलियन डॉलर) है। यह वैश्विक निर्यात में 17.2 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। भविष्य में इसके 2030 तक 6.71 बिलियन डॉलर तथा 2047 तक 22.95 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। प्राकृतिक उत्पादों की बढ़ती मांग, न्यूट्रास्यूटिकल बाजार का विस्तार, एथनिक व्यंजनों की लोकप्रियता तथा मूल्य संवर्धित उत्पादों की बढ़ती हिस्सेदारी इस वृद्धि के प्रमुख कारक हैं। मसाले बागवानी फसलों में निर्यात आय के मामले में प्रथम तथा सभी कृषि वस्तुओं में चौथे स्थान पर हैं। इससे छोटे किसानों की आय बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं बनती हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में बीजीय मसालों का लगभग 20 लाख हेक्टेयर क्षेत्र है। वैश्विक उत्पादन में इनकी 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है। निर्यात बाजार में भारत का लगभग 70 प्रतिशत प्रभुत्व है तथा मूल्य संवर्धित उत्पादों से लगभग 4, 500 करोड़ का वार्षिक व्यवसाय होता है। हालांकि गुणवत्तायुक्त बीजों की उपलब्धता अभी भी चुनौती है। इस क्षेत्र में लगभग 20, 000 टन

की आवश्यकता के मुकाबले केवल 30 प्रतिशत उपलब्धता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र तबीजी अजमेर की स्थापना 19 जनवरी 2000 को हुई थी। आज संस्थान अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। यह बीजीय मसाला फसलों के जर्मप्लाज्म संरक्षण, फसल सुधार, उत्पादन तकनीकों के विकास तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर कार्य करता है। केंद्र के पास लगभग 2400 जर्मप्लाज्म अभिगमनों का संग्रह है और यह राष्ट्रीय सक्रिय जर्मप्लाज्म स्थल के रूप में कार्य करता है। अब तक संस्थान द्वारा 26 उन्नत किस्में विकसित, 35 से अधिक तकनीकें व्यावसायिक रूप से हस्तांतरित, 30 टन से अधिक गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन, 2000 से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इससे 5 लाख से अधिक किसानों को लाभ हुआ है। बीजीय मसालों में पाए जाने वाले जैव सक्रिय यौगिक जैसे मेथी में 4-हाइड्रॉक्सी-आइसोल्यूसिन, धनिया में डायोजेनिन, जीरा में क्यूमिनाल्डिहाइड, सौंफ में एनेथोल, कलौंजी में थायमोकिनोन, अजवाइन में थाइमोल तथा सोआ में डी-कार्वोन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। ये यौगिक बीजीय मसालों को न्यूट्रास्यूटिकल एवं औषधीय उत्पादों के रूप में महत्वपूर्ण बनाते हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान ने जलवायु-सहिष्णु किस्मों का विकास किया है। इनमें सूखा सहनशील अजवाइन (एए-93), प्रारंभिक परिपक्व अजवाइन (एए-2), वर्षा आधारित अजवाइन-अजमोदा (एसीईएल-एक) स्टेम गॉल प्रतिरोधी धनिया (एसीआर-1), पाउडरी मिल्ड्यू प्रतिरोधी हरा धनिया (एजीसीआर-1) तथा ग्रीष्मकालीन मेथी (एएफजी- 4) प्रमुख हैं। इसके साथ ही सटीक कृषि तकनीक, ड्रिप फर्टिगेशन, प्लास्टिक मल्चिंग, उन्नत नर्सरी प्रबंधन तथा ट्रांसप्लांटिंग तकनीकें विकसित की गई हैं। उन्होंने बताया कि सतत कीट प्रबंधन के लिए संस्थान ने वनस्पति आधारित कीटनाशक, नीम आधारित साबुन, करंज-गंधक अर्क, पाइंस रेजिन नैनो-इमल्शन तथा जैविक एंटोमोपैथोजन मिश्रण विकसित किए हैं। ये रासायनिक उपयोग को कम करते हुए कीट नियंत्रण में प्रभावी हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा विकसित मूल्य संवर्धित उत्पादों मसाला पाउडर, न्यूट्रास्यूटिकल उत्पाद, आवश्यक तेल एवं ओलियोरेजिन तथा कॉस्मेटिक उत्पाद से कच्चे मसालों की तुलना में लगभग 300 प्रतिशत तक अधिक मूल्य प्राप्त किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि तबीजी स्थित केंद्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र में इंडस्ट्री मीट एवं किसान मेले का आयोजन शनिवार 7 मार्च को प्रात: 9 बजे किया जाएगा। इसके साथ ही संस्थान के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती संबंधी गतिविधियां भी आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम में देशभर से लगभग 2000 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है।

कतर से एलएनजी आपूर्ति रुकी, भारत में औद्योगिक गैस पर पड़ सकता है असर

घरेलू पीएनजी-सीएनजी की आपूर्ति सुरक्षित रहेगी

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कतर से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति रुकने का असर भारत पर पड़ने लगा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार यदि यह व्यवधान लंबे समय तक जारी रहता है तो गैस कंपनियां औद्योगिक उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति की समीक्षा कर सकती हैं। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और वाहनों के लिए कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आपूर्ति में कटौती नहीं की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक भारत प्रतिदिन लगभग 19.5 करोड़ मानक घन मीटर प्राकृतिक गैस की खपत करता है। इसमें से करीब 6 करोड़ मानक घन मीटर गैस फिलहाल उपलब्ध नहीं है क्योंकि कतर की सरकारी कंपनी कतर एनर्जी ने अपने संयंत्र में एनएनजी उत्पादन अस्थायी रूप से रोक दिया है। कतर भारत का सबसे बड़ा एनएनजी आपूर्तिकर्ता है, इसलिए इसका सीधा प्रभाव भारतीय ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ सकता है। गैस कंपनियों ने औद्योगिक इकाइयों को संभावित कटौती के बारे में पहले ही सूचित कर दिया है। उन्हें आवश्यकता पड़ने पर एलपीजी, तेल या अन्य वैकल्पिक ईंधन का उपयोग करने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। इस बीच गैल (इंडिया) लिमिटेड ने बताया कि वह संभावित आपूर्ति कटौती का आकलन कर रही है। वहीं पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के साथ कतर एनर्जी के अनुबंध के तहत 4 मार्च से एनएनजी आवंटन शून्य कर दिया गया है। यह संकट पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बाद उत्पन्न हुआ है, जहां इरान की जवाबी कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ गई है। एनएनजी कार्गो की आवाजाही मुख्य रूप से स्ट्रेट आफ होमुर्ज से होती है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का अहम मार्ग है। भारतीय अधिकारी इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा और बीमा कवर को लेकर अमेरिकी अधिकारियों से भी बातचीत कर रहे हैं, ताकि ऊर्जा आपूर्ति में किसी बड़े व्यवधान से बचा जा सके।

न्यूज़ ब्रीफ

सोना 1.61 लाख के पार और चांदी 2.67 लाख के करीब, सोना 1,360 रुपए तेज, चांदी में 4,982 रुपए की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी की कीमतों में मजबूती देखने को मिली। दोनों की कीमतें तेजी के साथ खुलीं और कारोबार के दौरान भी बढ़त के साथ ट्रेड करती रहीं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कान्ट्रैक्ट 1,367 रुपये की तेजी के साथ 1,61,040 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इससे पहले पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,59,673 रुपये पर बंद हुआ था। इस समय सोना लगभग 1,360 रुपये की तेजी के साथ 1,61,033 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान इसने 1,61,250 रुपये का दिन का उच्च स्तर और 1,60,893 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल अब तक सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुके हैं। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी मजबूत तेजी दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कान्ट्रैक्ट 5,759 रुपये की तेजी के साथ 2,67,950 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 2,62,191 रुपये था। इस समय यह करीब 4,982 रुपये की तेजी के साथ 2,67,173 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान चांदी ने 2,68,991 रुपये का दिन का उच्च स्तर छुआ, जबकि निचला स्तर 2,67,173 रुपये रहा। इस साल चांदी के वायदा भाव 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी मजबूती के साथ कारोबार कर रहे हैं। कामेक्स पर सोना 5,099.70 डालर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने के समय 62.70 डालर की तेजी के साथ 5,141.40 डालर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी 82.55 डालर प्रति औंस पर खुली और बाद में 84.61 डालर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गई।

ईडी का अनिल अंबानी और रिलायंस पावर लिमिटेड से जुड़ी कई कंपनियों पर छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के समूह की कंपनी रिलायंस पावर लिमिटेड' के खिलाफ मनी लान्ड्रिंग की जांच के तहत मुंबई और हैदराबाद में कई स्थानों पर शुक्रवार को छापेमारी की है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी के अधिकारी अनिल अंबानी और रिलायंस पावर लिमिटेड से जुड़ी कंपनियों पर छापेमारी कर रहे हैं। ईडी की 15 टीमों ने इस कंपनी से जुड़े लोगों के खिलाफ छापेमारी की कार्रवाई की है। बताया गया है कि केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारी अनिल अंबानी की कंपनी और उसके अधिकारियों से जुड़े लगभग 10-12 ठिकानों पर दोनों शहरों में छापेमारी कर रही है। इस कार्रवाई के तहत मुंबई और हैदराबाद में छापेमारी की जा रही है। एजेंसी ने इन स्थानों में कंपनी के कार्यालय, अधिकारियों के निजी ठिकाने और अन्य संबंधित परिसर को शामिल किया है। छापेमारी के दौरान एजेंसी की टीमों ने दस्तावेज, वित्तीय रिकार्ड और अन्य जरूरी सामग्री जब्त की है।

7-सीटर फैमिली कार टोयोटा रुमियन देती है दमदार माइलेज

नई दिल्ली। हाल ही में 7-सीटर फैमिली कार टोयोटा रुमियन के पेट्रोल आटोमैटिक वैरिएंट का रियल-वर्ल्ड माइलेज सामने आया है, जो ग्राहकों को अपनी पसंद तय करने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने रुमियन को 2023 में लान्च किया था, जिसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.51 लाख रुपये है। कंपनी दावा करती है कि इसका सीएनजी वर्जन 26.11 किमी/किग्रा तक का माइलेज देता है, जबकि पेट्रोल मैनुअल 20.51 किमी/लीटर और आटोमैटिक 20.30 किमी/लीटर तक चल सकता है। हालांकि, कारवाले की रिपोर्ट के अनुसार रियल-वर्ल्ड टेस्ट में माइलेज कुछ अलग रहा। शहर में ड्राइव करने पर रुमियन आटोमैटिक ने 14 किमी/लीटर का माइलेज दिया, जबकि हाईवे पर यह बढ़कर 19 किमी/लीटर तक पहुंच गया। इन दोनों का औसत मिलाकर कुल माइलेज 16.55 किमी/लीटर रहा, जो कि कंपनी के दावों से थोड़ा कम है।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच बढ़ने लगे हवाई ईंधन के दाम.........भारत तक भी पहुंच सकती हैं आंच

नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव पश्चिम एशिया में ऊर्जा संकट को बढ़ा रहा है, इसका सीधा असर हवाई ईंधन यानी जेट फ्यूल की कीमतों पर दिखाई दे रहा है। सिंगापुर, जो एशिया का प्रमुख ट्रेडिंग हब है, में जेट ईंधन की कीमतें बुधवार को 72 प्रतिशत बढ़कर 225.44 डालर प्रति बैरल के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गईं। यह उछाल मुख्य रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से रोजाना करीब 2 करोड़ बैरल कच्चे तेल और रिफाइंड उत्पादों की सप्लाई बाधित होने के कारण आया है। जेट केरोसीन की स्पाट कीमत 27 फरवरी के 93.45 डालर प्रति बैरल से अब 140 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। बात दें कि हवाई ईंधन की कीमत बढ़ने की ये आंच भारत तक भी पहुंच सकती है। देखना यह हैं कि भारत सरकार इस पर क्या कदम उठाती है।

जेट फ्यूल का बाजार सबसे संवेदनशील होता है, क्योंकि इसका स्टाक बहुत सीमित होता है और इस ईधन को विशेष टैंकों में ही रखा जा सकता है। कच्चे तेल के संकट का असर सबसे पहले जेट फ्यूल पर ही पड़ता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आश्वासन दिया है कि टैंकर संकरे जलमार्ग से गुजर सकते हैं, लेकिन बाजार अभी पूरी तरह आश्वस्त नहीं है।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि दुबई क्रूड से एक बैरल जेट केरोसीन बनाने का मुनाफा अब 100 डालर से अधिक हो गया है, जो बाजार की चिंता को दर्शाता है। इसका मतलब है कि आने वाले हफ्तों में जेट फ्यूल की भारी कमी की संभावना है। एशियाई रिफाइनरियां पहले से ही तनाव में हैं, कुछ प्लांट्स कच्चे तेल का स्टाक बचाने के लिए अपने उत्पादन को कम कर रहे हैं, जबकि कुछ ने नेटेनेंस का समय जल्दी कर लिया है।

भारत, जो अपनी कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है, इस संकट से अछूता नहीं रहेगा। मध्य पूर्व से तेल आयात पर निर्भरता के कारण भारतीय रिफाइनरियां वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता ढूंढने में कठिनाई का सामना कर सकती हैं। इस स्थिति में, भारत की मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स ने अपने ईंधन निर्यात को रोक दिया है। कर्नाटक स्थित इस सरकारी रिफाइनरी का उत्पादन 3 लाख बैरल प्रतिदिन है और यह अपने कुल उत्पादन का लगभग 40 प्रतिशत अन्य देशों में निर्यात करती है। अन्य भारतीय रिफाइनरियां भी एमआरपीएल के कदम का पालन कर सकती हैं। चीन ने भी अपने फर्मों को नए रिफाइंड फ्यूल निर्यात अनुबंधों पर हस्ताक्षर करने से रोक दिया है और पहले से तय शिपमेंट्स रद्द करने का प्रयास कर रही है। इससे वैश्विक बाजार में और अस्थिरता बढ़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर होर्मुज जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है, तो जेट फ्यूल की कीमतें और बढ़ सकती हैं। हवाई यात्रा करने वाले उपभोक्ताओं को इस उछाल का असर सीधे टिकट कीमतों में महसूस होगा। वर्तमान स्थिति यह संकेत देती है कि ऊर्जा उपभोक्ताओं को जल्द ही महंगी हवाई यात्रा के लिए तैयार रहना होगा। कुल मिलाकर, ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष ने जेट फ्यूल की कीमतों को रिकार्ड स्तर तक पहुंचा दिया है। भारत सहित एशियाई देशों में रिफाइनरियां अपने उत्पादन और निर्यात रणनीतियों को बदल रही हैं, जिससे हवाई ईंधन की आपूर्ति और महंगी होने की संभावना बढ़ रही है। यह संकट केवल हवाई यात्रा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ऊर्जा उपभोक्ताओं और उद्योगों पर भी प्रभाव डालेगा।

ग्राहकों की पहली पसंद बन रही छोटी इलेक्ट्रिक कारें

नई दिल्ली

छोटी इलेक्ट्रिक कारें न सिर्फ किफायती होती हैं, बल्कि शहरों में आसान ड्राइविंग और कम कास्ट मेंटेनेंस के कारण लोगों की पहली पसंद बन रही हैं। ऐसे में 2026 में कई नई काम्पैक्ट इलेक्ट्रिक कारें लान्च होने जा रही हैं, जिनमें विनफास्ट वीएफ 3, किआ सिरोस ईवी और टाटा टियागो ईवी फेसलिफ्ट प्रमुख हैं। विनफास्ट वीएफ 3 कंपनी की पहली किफायती एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक कार होगी, जिसका डिज़ाइन काम्पैक्ट होते हुए भी मिनी-एसयूवी जैसा लुक देता है। इस ईवी को रेट्रो स्टाइलिंग के साथ बेसिक लेकिन आकर्षक इंटीरियर मिलेगा। यह दो बैटरी पैक 29.6 केडब्ल्यूएच और 37.2 केडब्ल्यूएच के साथ पेश होगी और दावा किया जा रहा है कि इसकी रेंज 326 किलोमीटर तक हो सकती है। लान्च के बाद यह कार इस सेगमेंट में मौजूद एमजी कामेट और टाटा टियागो ईवी जैसी कारों को कड़ी टक्कर देगी। किआ भी इस साल अपनी सब-4 मीटर इलेक्ट्रिक कार सिरोस ईवी बाजार में उतार सकती है। इसे हाल के महीनों में कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। उम्मीद है कि इसमें 42 केडब्ल्यूएच और 49 केडब्ल्यूएच बैटरी आप्शन दिए जाएंगे, जिनकी अधिकतम रेंज 369 किलोमीटर तक हो सकती है।

किआ की पहचान को देखते हुए इसमें प्रीमियम फीचर्स मिलने की पूरी संभावना है। टाटा टियागो ईवी फेसलिफ्ट भी इस साल पेश की जाएगी। इसे बाहरी डिजाइन में छोटे बदलाव मिल सकते हैं, जैसे नए बंपर, हेडलाइट और टेललाइट। मौजूदा माडल में 19.2 केडब्ल्यूएच और 24 केडब्ल्यूएच के बैटरी पैक उपलब्ध हैं, जिनकी रेंज क्रमश: 250 और 315 किलोमीटर है। उम्मीद है कि फेसलिफ्ट में इससे भी बड़ा बैटरी पैक शामिल किया जा सकता है। इन नए माडलों के आने से काम्पैक्ट इलेक्ट्रिक कारों का विकल्प और मजबूत होगा। बता दें कि देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लगातार बढ़ रही है और कंपनियां अब प्राइस-सेंसिटिव भारतीय बाजार को ध्यान में रखते हुए काम्पैक्ट ईवी पर खास फोकस कर रही हैं।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर रफ्तार काफी धीमी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने 2030 तक हर 10 में से 3 वाहन इलेक्ट्रिक होने का लक्ष्य रखा था, लेकिन मौजूदा आंकड़े बताते हैं कि यह सपना अभी दूर नजर आ रहा है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर चर्चाएं भले तेज हों, लेकिन जमीन पर उनकी रफ्तार अब भी काफी धीमी है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जिस गति से देश आगे बढ़ रहा है, उसमें अगले पाँच वर्षों में 10 से 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल करना भी बड़ी चुनौती साबित होगी। ऐसे में प्रदूषण घटाने और विदेशी तेल पर निर्भरता कम करने की योजनाएं प्रभावित होती दिख रही हैं। बिक्री के आंकड़े बताते हैं कि 2020 तक देश में कुल वाहन बिक्री में इलेक्ट्रिक की हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से भी कम थी, जो 2025 तक बढ़कर लगभग 8 प्रतिशत हो गई है। यह बढ़ोतरी अच्छी जरूर लगती है, लेकिन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के मुकाबले यह बेहद कम है। दिलचस्प रूप से इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में सबसे बड़ी हिस्सेदारी थ्री-व्हीलर्स की है। आज देश में बिकने वाले कुल थ्री-व्हीलर्स में से करीब 61 प्रतिशत इलेक्ट्रिक हैं। कमर्शियल इस्तेमाल में इनकी बचत अधिक होती है, इसलिए इनकी मांग तेजी से बढ़ी है। इसके उलट निजी कारों की बात करें तो इनकी स्थिति कमजोर है।

आटोमोबाइल की खुदरा बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई

आटोमोबाइल की खुदरा बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़ी। जीएसटी 2.0 के बाद शुरू हुई तेजी फरवरी में भी जारी रही। डीलर्स के संगठन फाडा ने गुरुवार को आटो सेल्स के आंकड़े पेश किए। आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में कुल खुदरा बिक्री बढ़कर 24,09,362 इकाई हो गई, जबकि फरवरी 2025 में यह 19,17,934 इकाई थी। इस तरह कुल बिक्री में 25.62 प्रतिशत की बढ़त देखी गई। फाडा के अध्यक्ष सीएस विग्नेश्वर ने कहा कि करीब सभी सेगमेंट में अच्छी वृद्धि दिखाई दी। छह में से पांच सेगमेंट टू-व्हीकल्स, थ्री-व्हीकल्स, पैसेंजर व्हीकल्स, कामर्शियल व्हीकल्स और ट्रैक्टर ने फरवरी महीने में अब तक की सबसे अधिक खुदरा बिक्री दर्ज की। यह बाजार में मजबूत मांग को दिखाता है।

सालाना आधार पर टू-व्हीकल्स की बिक्री 25, थ्री-व्हीकल्स 24, पैसेंजर व्हीकल्स 26 और कामर्शियल व्हीकल्स 29 प्रतिशत बढ़े। इससे पता चलता हैं कि निजी उपयोग के वाहनों और आर्थिक गतिविधियों से जुड़े वाहनों दोनों की मांग मजबूत रही। फरवरी में पैसेंजर व्हीकल्स की खुदरा बिक्री बढ़कर 3,94,768 इकाई हो गई, जो पिछले साल इसी महीने 3,13,015 इकाई थी। फाडा के अध्यक्ष विग्नेश्वर ने कहा कि यह तेजी करीब हर जगह देखने को मिली। शहरी बाजारों में बिक्री 21 प्रतिशत बढ़ी, जबकि ग्रामीण बाजारों में 34 प्रतिशत की तेज वृद्धि हुई। इससे पता चलता है कि बड़े शहरों के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी मांग मजबूत बनी हुई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा वृद्धि होना खास तौर पर सकारात्मक है। इससे छोटी कारों की बिक्री को सहारा मिल रहा है, जबकि एसयूवी और यूटिलिटी वाहन अभी भी कुल बिक्री को आगे बढ़ा रहे हैं। फाडा अध्यक्ष ने कहा कि जीएसटी में बदलाव के बाद बेहतर वहन क्षमता, शादी का मौसम और नए माडलों के आने से भी फरवरी में मांग को सहारा मिला। टू-व्हीलर्स की खुदरा बिक्री फरवरी में बढ़कर 17,00,505 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल फरवरी में यह 13,60,155 इकाई थी। जीएसटी 2.0 के बाद सकारात्मक माहौल जीएसटी 2.0 के बाद बने सकारात्मक माहौल से भी अतिरिक्त मांग और थोक खरीद को मदद मिली। फाडा ने कहा कि कुछ जगहों पर कुछ माडलों की सप्लाई में कमी भी देखने को मिली, लेकिन कुल मिलाकर बुकिंग और बाजार की स्थिति उत्साहजनक रही। कामर्शियल व्हीकल्स की बिक्री फरवरी में बढ़कर 1,00,820 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 78,219 इकाई थी। फरवरी में थ्री-व्हीकलस की खुदरा बिक्री 1,17,130 इकाई और ट्रैक्टरों की बिक्री 89,418 इकाई रही। फाडा ने कहा कि मार्च के लिए कारोबारी माहौल सावधानी के साथ सकारात्मक दिख रहा है। त्यौहारों की मांग और वित्त वर्ष के अंत से बिक्री की रफ्तार बनी रहने की उम्मीद है। संगठन ने कहा कि अगले तीन महीने भी सावधानी के साथ सकारात्मक दिख रहे हैं।

अगले साल तक महिंद्रा लांच करेगी 4 से 5 नई एसयूवी

नई दिल्ली

हाल ही में एक्सईवी 9एस, एक्सयूवी 7गुणा2 और एक्सयूवी 3गुणा ईवी जैसी गाड़ियां लान्च करने के बाद अब महिंद्रा अगले साल तक भारतीय बाजार में 4 से 5 नई एसयूवी पेश करने की योजना बना रही है। कंपनी का अपकमिंग लाइनअप पेट्रोल-डीजल इंजन के साथ-साथ इलेक्ट्रिक सेगमेंट में भी बड़ा विस्तार दिखाता है। सबसे पहले बात नई स्कार्पियो-एन की।

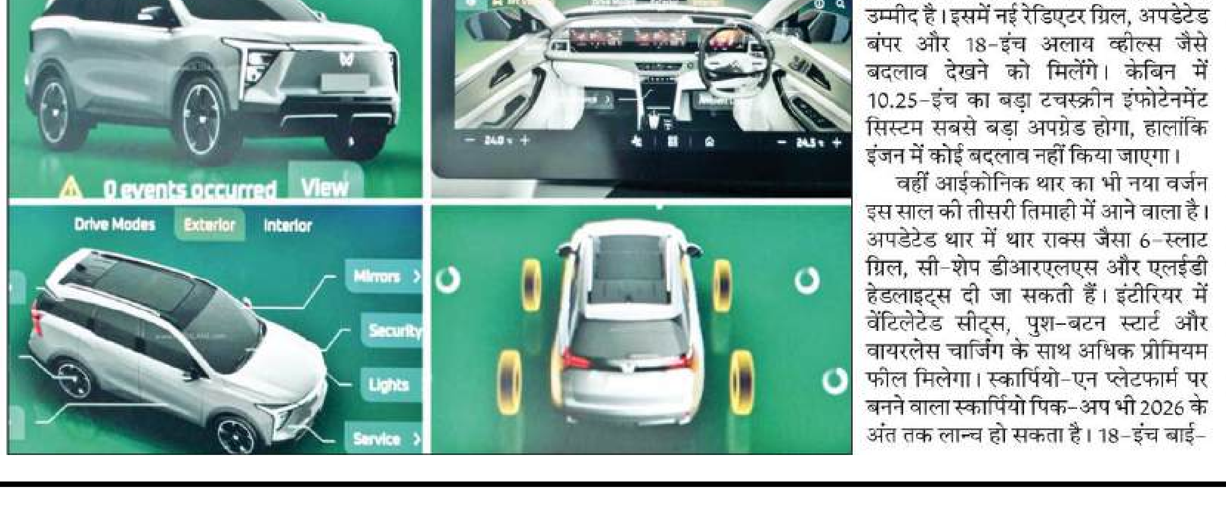

जून 2022 में लान्च हुए इस माडल को अप्रैल तक कास्मेटिक अपडेट मिलने की उम्मीद है। इसमें नई रेडिएटर ग्रिल, अपडेटेड बंपर और 18-इंच अलाय व्हील्स जैसे बदलाव देखने को मिलेंगे। केबिन में 10.25-इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम सबसे बड़ा अपग्रेड होगा, हालांकि इंजन में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

वहीं आईकोनिक थार का भी नया वर्जन इस साल की तीसरी तिमाही में आने वाला है। अपडेटेड थार में थार राक्स जैसा 6-स्लाट ग्रिल, सी-शेप डीआरएलएस और एलईडी हेडलाइट्स दी जा सकती हैं। इंटीरियर में वेंटिलेटेड सीट्स, पुश-बटन स्टार्ट और वायरलेस चार्जिंग के साथ अधिक प्रीमियम फील मिलेगा। स्कार्पियो-एन प्लेटफार्म पर बनने वाला स्कार्पियो पिक-अप भी 2026 के अंत तक लान्च हो सकता है। 18-इंच बाई-टोन अलाय, सनरूफ और डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स इसे लाइफस्टाइल और एडवेंचर सेगमेंट के लिए परफेक्ट बनाएंगे। महिंद्रा की काम्पैक्ट लेकिन दमदार विजन.एस एसयूवी 2027 की पहली छमाही में आएगी।

4-मीटर से कम लंबाई वाली इस एसयूवी को एक्सयूवी 3एक्स से ऊपर पोजिशन किया जाएगा और यह नए एनयू आईक्यू प्लेटफार्म पर आधारित होगी। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में कंपनी की सबसे चर्चित लान्चिंग बीई.07 होगी, जो 2027 में सी-सेगमेंट इलेक्ट्रिक एसयूवी के रूप में आएगी। करीब 4.6 मीटर लंबी इस एसयूवी का हाई-रेंज वेरिएंट लगभग 650 किमी की रेंज आफर कर सकता है। बता दें कि भारतीय ग्राहकों के बीच महिंद्रा की कारें हमेशा से भरोसेमंद और पावरफुल मानी जाती हैं। देश में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखने के लिए कंपनी लगातार नए माडल तैयार कर रही है।

ईरान के फीफा विश्वकप में भाग लेने की संभावना नहीं, इराक या यूएई को मिल सकता है अवसर

लास एंजिल्स

अमेरिका और इजरायल से जारी संघर्ष को देखते ईरान का आगामी फीफा विश्व कप फुटबाल से हटना तय है। ईरान को विश्व कप के ग्रुप जी चरण में रखा गया है और उसके तीनों ही मैच अमेरिका में होने हैं और अभी के हालातों को देखते हुए ये संभव नहीं है कि ईरान अपनी टीम भेजे। उसके मैच कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ रखे गये हैं। इसके बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मुकाबला खेलना है। विश्व कप का कार्यक्रम जब बना था तब हालात अलग थे पर जिस प्रकार से अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले किये है और जवाबी कार्रवाई में ईरान ने भी इजरायल और खाड़ी में अमेरिकी ठिकाने को निशाना बनाया है उससे हालात काफी खराब हो गये हैं। एशियाई फुटबाल महासंघ के उपाध्यक्ष और ईरान के शीर्ष फुटबाल अधिकारी मेहदी ताज ने कहा, निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने की उम्मीद नहीं कर सकते।

अभी यह तय नहीं है कि ईरान 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए अपनी टीम भेजेगा या नहीं या अमेरिका की सरकार उसकी टीम को अपने यहां आने की अनुमति देती है या नहीं। फीफा ने अभी तक मामले पर कोई बयन नहीं दिया है। ईरान ने पिछले आठ विश्व कप में से छह के लिए क्वालीफाई किया है। वह 211 टीमों की फीफा विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर है। अगर ईरान विश्व कप से हट जाता है तो उसके फुटबाल महासंघ को कम से कम 10.5 मिलियन डालर का नुकसान होगा। इसके अलावा उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यदि ईरान विश्व कप से हटता है तो एशिया से उसके संभावित विकल्प इराक या यूएई को शामिल कर सकता है। इराक और यूएई एशियाई क्वालीफाइंग में नौवें और दसवें स्थान पर रहे थे।इराक ने प्लेआफ में यूएई को हरा दिया था और अब विश्व कप में जगह बनाने के लिए उसे 31 मार्च को बोलीविया या सूरीनाम के खिलाफ मैच में खेलना है। इस मैच में जीत से वह विश्व कप में खेल सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

सैमसन ने जीत का श्रेय बुमराह को दिया

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज संजू सैमसन को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में उनकी 89 रनों की शानदार पारी के लिए मैन आफ द मैच का अवार्ड मिला। अवार्ड लेने के बाद सैमसन ने टीम की जीत का श्रेय जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी को देते हुए कहा कि उनके जैसे गेंदबाज पीढ़ी में एक बार ही आते हैं ऐसे में इस अवार्ड पर उनका अधिकार है। सैमसन ने कहा कि अगर बुमराह ने डेथ ओवर्स में कसी हुई गेंदबाजी नहीं की होती तो आज परिणाम कुछ और होता। बुमराह ने 15 वें से लेकर 19 वें ओवर के बीच बुमराह ने 2 ओवरों में एक भी बाउंड्री नहीं जाने दी। उनका साथ हार्दिक ने दिया। इससे मैच भारतीय टीम की पकड़ में आ गया। इंग्लैंड को जीत के लिए अंतिम 5 ओवर में 69 रन चाहिए थे और जैकब बेथेल काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। ऐसे में मैच बराबरी पर था पर इसके बाद गेंदबाजी के लिए आये बुमराह ने अपने अगले ओवर में केवल 8 रन दिये। इससे इंग्लैंड पर दबाव बढ़ा जिस कारण दूसरे बल्लेबाजी सैम करन बड़ शाट लगाने के फेर में आउट हो गये। इसके बाद बुमराह ने 18 वे ओवर में भी केवल 6 रन देकर विरोधी टीम के लिए लक्ष्य का पीछा असंभवी सा बना दिया। बुमराह के इन दो ओवरों से ही मैच में अंतर आया। सैमसन ने कहा कि पांड्या ने भी 19वां ओवर काफी अच्छा किया। हार्दिक ने 19वें ओवर में मात्र 9 रन दिए थे। हार्दिक के इस ओवर की वजह से इंग्लैंड को आखिरी ओवर में 30 रन बनाने थे, जो एक बेहद कठिन लक्ष्य था जिसका पीछा करते हुए इंग्लैंड 22 रन बना सकी और 7 रन से मैच हार गयी। बुमराह ने 4 ओवर में 33 रन देकर 1 जबकि हार्दिक पांड्या ने 4 ओवर में 38 रन देकर 2 विकेट लिए।

भारत-इंग्लैंड मैच में धोनी रहे आकर्षण का केन्द्र

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां हुए दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर टी20 विश्वकप के फाइनल में पहुंच गयी है। जहां अब उसका मुकाबला रविवार को न्यूजीलैंड से होगा। भारतीय टीम का गत दिवस इंग्लैंड से हुआ सेमीफाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और इसमें भारतीय टीम 7 रनों से जीत हासिल करने में सफल रही। सेमीफाइनल मुकाबले मे पूर्व भारतीय कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी स्टेडियम में उपस्थित थे और ऐसे में वह सभी के आकर्षण का केन्द्र रहे। भारतीय टीम की जीत के साथ ही सोशल मीडिया पर थाला फार अ रीजन की वायरल फ्रेज सोशल मीडिया में आने लगी। गौरततब है कि धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में थाला के नाम से जाना जाता है। उनकी जर्सी सात भी इसके बाद प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय रही। ऐसे में भारतीय टीम की जीत के साथ ही सोशल मीडिया पर धोनी की मौजूदगी को जीत का कारण बताते हुए पोस्ट की बाढ़ आ गई। कई यूजर्स ने थाला फार अ रीजन फ्रेंज को बार-बार दोहराया, जो रातभर ट्रेंड करता रहा। भारतीय टीम की इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में जो जीत के दौरान नंबर 7 का संयोग सुखद रहा। भारतीय टीम ने 7 विकेट खोकर 253 रन बनाए। इंग्लैंड की टीम भी 7 विकेट पर 246 रन बनाने में सफल रही। भारतीय टीम 7 रन से जीती। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से संजू सैमसन ने 7 छक्के लगाये। इंग्लैंड के लिए शतक लगाने वाले जैकब बेथल ने भी 7 छक्के लगाये। धोनी की जर्सी नंबर और इस फ्रेज को लेकर पिछले कुछ सालों में कई मीम्स वायरल हुए हैं, जो आम तौर पर क्रिकेट या अन्य संदर्भों मे नंबर सात के दिखने पर सामने आते हैं।

आईपीएल की तैयारियों के लिए 15 मार्च को अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी आरसीबी : प्रसाद

मुम्बई। गत विजेता रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीलएल की तैयारियों के लिए 15 मार्च को अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में उतरेगी। अभी राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) इस स्टेडियम में सभी तैयारियों को पूरा करने के इंतजाम कर रहा है। केएससीए के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद को उम्मीद है कि 15 मार्च को रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम के एकत्रित होने से पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सभी जरुरी इंतजाम पूरे कर लिए जाएंगे। आरसीबी ने इससे पहले कहा था कि वह आईपीए 2026 के शुरुआती मैच सहित पांच लीग मैच इस स्टेडियम में खेलेगी जिसके साथ ही घरेलू मैदानों को लेकर जारी संदेश दूर हो गया था। प्रसाद ने कहा, हां, अब भी स्टेडियम में कुछ काम बचा हैं और जहां तक हमारा सवाल है यह तय समय सीमा के अंदर पूरा हो जाएगा जो हमने महेश्वर राव की अध्यक्षता वाली (राज्य द्वारा नियुक्त) विशेषज्ञ समिति को दी है। उन्होंने कहा, हमने उन्हें जितना हो सका उतना संतुष्ट कर दिया है।गौरतलब है कि पिछले साल आरसीबी के आईपीएल खिताब जीतने के बाद हुए समारोह में हुड़दंग मचने के बाद से ही चिन्नास्वामी स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे ।

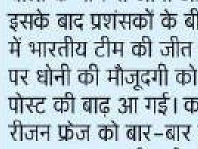

खो-खो के मैदान से भारतीय महिला हाकी टीम तक : छोटे गांव की बेटी रुताजा दादासो पिसाल की प्रेरणादायक उड़ान

आगामी एफआईएच हाकी महिला विश्व कप 2026 क्वालीफायर, हैदराबाद (तेलंगाना) के लिए भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली

महज 23 वर्ष की उम्र में रुताजा दादासो पिसाल भारतीय सीनियर महिला हाकी टीम की नियमित खिलाड़ी बन चुकी हैं। मिडफील्ड में अपनी मजबूत उपस्थिति के लिए पहचानी जाने वाली रुताजा को एफआईएच हाकी महिला विश्व कप 2026 क्वालीफायर, हैदराबाद (तेलंगाना) के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 8 से 14 मार्च तक आयोजित होगा। महाराष्ट्र के सतारा जिले के छोटे से कस्बे फलटन से आने वाली रुताजा का हाकी तक का सफर थोड़ा अलग रहा। उन्होंने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, हाकी से पहले हम स्कूल में खो-खो खेलते थे। महाराष्ट्र में यह खेल काफी लोकप्रिय है। हमारे शिक्षकों ने देखा कि हमारी दौड़ अच्छी है और स्टैमिना भी अच्छा है, इसलिए उन्होंने हमें हाकी खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं से मेरी हाकी की यात्रा शुरू हुई।

रुताजा ने आगे कहा, मैंने करीब 12 साल की उम्र में हाकी खेलना शुरू किया। पुणे की अपनी अकादमी में प्रवेश के लिए मुझे फिटनेस और एंड्योरेंस टेस्ट देना पड़ा था। मैं उस टेस्ट में पास हो गई और वहीं से मेरा हाकी करियर आगे बढ़ा।

ऐसे गांव से आने वाली रुताजा के लिए यह रास्ता आसान नहीं था, जहां लड़कियों का खेलों में आगे आना आम बात नहीं थी।

उन्होंने कहा, मेरे गांव में लड़कियों का हाकी खेलना बहुत सामान्य नहीं था। उस समय परिवार भी सोचते थे कि बच्चों को खेल के लिए बाहर भेजना चाहिए या नहीं। लेकिन गांव के एक कोच ने हमारा समर्थन किया और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इसके बाद रुताजा ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों में शानदार प्रदर्शन किया और जूनियर महिला हाकी टीम में जगह बनाई। उन्होंने 2023 में महिला जूनियर एशिया कप जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहीं, जिसके बाद उन्हें सीनियर टीम के कैंप में मौका मिला। पिछले दो वर्षों से रुताजा सीनियर राष्ट्रीय कैंप का हिस्सा हैं और उनका मानना है कि इससे उनके खेल में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, जूनियर और सीनियर कैंप में कई समानताएं हैं, लेकिन सीनियर खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण की तीव्रता कहीं ज्यादा होती है। पिछले कुछ वर्षों से कैंप में रहने से मेरे खेल में काफी सुधार हुआ है। मिडफील्ड में खेलने के बावजूद सर्कल के अंदर उनकी समझ और मूवमेंट उन्हें गोल करने के मौके दिलाती है। सीनियर टीम के लिए 20 मैचों में वह अब तक सात गोल कर चुकी हैं। इसका एक कारण यह भी है कि वह पहले फारवर्ड के रूप में भी खेल चुकी हैं।

उन्होंने कहा, फिलहाल मैं मिडफील्डर के रूप में खेल रही हूं, लेकिन पहले मैं फारवर्ड की भूमिका निभाती थी। टीम में कभी-कभी किसी एक पोजिशन पर ज्यादा खिलाड़ी होते हैं और दूसरी जगह कम, इसलिए हमें टीम की जरूरत के अनुसार खुद को ढालना पड़ता है। टीम के मौजूदा लक्ष्य के बारे में रुताजा ने कहा, इस समय हमारा मुख्य लक्ष्य एफआईएच हाकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना है। इसके बाद सबसे बड़ा सपना लास एंजिलिस ओलंपिक में खेलना है। हम हर बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करना और अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। अपनी व्यक्तिगत तैयारी पर उन्होंने कहा, मेरी ताकत गोल करना और पेनल्टी कार्नर बनवाना है, इसलिए मैं उसी पर काम कर रही हूं। इसके अलावा गेंद को जल्दी वापस हासिल करने और ड्रिब्लिंग की गति बढ़ाने पर भी ध्यान दे रही हूं। मुझे खुद को और बेहतर बनाना है और मुश्किल परिस्थितियों में अपने साथियों का साथ देना है, ताकि टीम लगातार बेहतर प्रदर्शन कर सके।

इंडियन वेल्स 2026 : वीनस विलियम्स पहले दौर में बाहर

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया)

सात बार की ग्रैंड स्लैम विजेता वीनस विलियम्स का बीएनपी परिबास ओपन 2026, जिसे इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के नाम से भी जाना जाता है, में अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया। फ्रांस की डायने पैरी ने गुरुवार को खेले गए मुकाबले में वीनस को 3-6, 6-7 (4), 1-6 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

45 वर्षीय वीनस विलियम्स को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के सिंगल्स और डबल्स ड्रा में वाइल्ड कार्ड दिया गया था। यह उनके इंडियन वेल्स में पदार्पण के 30 साल बाद की वापसी थी। उन्होंने पहली बार 1996 में 15 वर्ष की उम्र में इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

मुकाबले में पहले सेट में पिछड़ने के बाद वीनस ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया, लेकिन 23 वर्षीय डायने पैरी (विश्व रैंकिंग 111) ने तीसरे सेट में पूरी तरह नियंत्रण स्थापित करते हुए आसानी से जीत दर्ज कर ली।

यह वीनस विलियम्स की इस टूर्नामेंट में 10वीं उपस्थिति थी और 2024 के बाद उनकी पहली वापसी भी। 2024 में भी वह वाइल्ड कार्ड के जरिए खेलते हुए पहले ही दौर में हार गई थीं। पिछले वर्ष उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला था, लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया था।

मैच से पहले वीनस ने कहा था, मैं इंडियन वेल्स लौटने को लेकर बहुत उत्साहित हूं और कैलिफोर्निया में खेलने के लिए घर वापसी जैसा महसूस कर रही हूं।

अब डायने पैरी दूसरे दौर में अमेरिका की 15वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ से शनिवार को मुकाबला करेंगी।

वीनस विलियम्स लगातार आठवां डब्ल्यूटीए सिंगल्स मुकाबला हार गई हैं। पिछले वर्ष वाशिंगटन में वापसी के दौरान उन्होंने एकमात्र जीत दर्ज की थी।

जनवरी में उन्होंने आस्ट्रेलियन ओपन 2026 में हिस्सा लिया था, जहां वह सिंगल्स और डबल्स दोनों में पहले दौर में हार गई थीं। उस समय वह आस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रा में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बनी थीं, उन्होंने जापान की किमिको दाते का रिकार्ड तोड़ा था, जिन्होंने 2015 में 44 वर्ष की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। वीनस ने हाल ही में टेक्सास के आस्टिन में आयोजित एटीएक्स ओपन में भी वाइल्ड कार्ड के जरिए भाग लिया था, जहां वह पहले दौर में आस्ट्रेलिया की अजला टोमल्यानोविच से हार गई थीं।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में लवलीना और निकहत से रहेंगी पदकों की उम्मीद

नई दिल्ली। 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन रही निकहत जरीन करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने कड़ी चयन प्रणाली के आधार पर इस चैम्पियनशिप के लिए अपनी टीम का चयन किया है। एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए चयनित किये गये संभावित खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था। एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेलो और एशियाई खेलों में अवसर मिलेगा। इस कारण इस चैंपियनशिप का महत्व और बढ़ गया है। लवलीना को 75 किग्रा वर्ग में महिला टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी मिली है। स्पेन में स्वर्ण जीतने वाली प्रीति 54 किग्रा, अरुंधति चौधरी 70 किग्रा और प्रिया 60 किग्रा को भी शामिल किया गया है। विश्व चैंपियन मीनाक्षी 48 किग्रा और जैस्मीन 57 किग्रा भी टीम का हिस्सा हैं। महिला वर्ग में निकहत जरीन 51 किग्रा में अगुवाई करेंगी। उनके साथ अंकुशिता बोरो 65 किग्रा, पूजा रानी 80 किग्रा, अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान 80 किग्रा रहेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने को उम्मीद है कि भारतीय खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगी।

फीफा विश्व कप 2026 से पहले मोरक्को के कोच वालिद रेग्रागुई ने दिया इस्तीफा

रबात

मोरक्को की राष्ट्रीय फुटबाल टीम के मुख्य कोच वालिद रेग्रागुई ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह फैसला उन्होंने फीफा विश्व कप 2026 से कुछ महीने पहले लिया है। पिछले कई हफ्तों से उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, जिसके बाद उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया। रेग्रागुई ने अपने इस्तीफे का कारण थकान बताया है। 50 वर्षीय रेग्रागुई ने 2022 में फीफा विश्व कप 2022 में मोरक्को को ऐतिहासिक सेमीफाइनल तक पहुंचाया था। यह किसी भी अफ्रीकी देश का विश्व कप में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इसके अलावा इसी साल जनवरी में उन्होंने टीम को अफ्रीका कप आफ नेशंस के फाइनल तक भी पहुंचाया था, जहां मोरक्को को सेनेगल के

खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब मोरक्को टीम की कमान मोहम्मद औहबी संभाल सकते हैं। उन्होंने पिछले साल चिली में आयोजित अंडर-20 विश्व कप में मोरक्को की टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सितंबर 2022 में कोच बनने के बाद रेग्रागुई का रिकार्ड बेहद शानदार रहा। उनके कार्यकाल में मोरक्को ने 49 मैचों में 36 जीत दर्ज की, 8 मुकाबले ड्रा रहे और सिर्फ 5 में हार मिली। इसी दौरान टीम ने जून 2024 से दिसंबर 2024 के बीच लगातार 19 जीत दर्ज कर राष्ट्रीय टीमों के बीच लगातार सबसे अधिक जीत का विश्व रिकार्ड भी बनाया। बताया जा रहा है कि जनवरी में नेशंस कप के विवादित फाइनल में हार के बाद ही रेग्रागुई इस्तीफा देना चाहते थे। लगभग चार साल तक टीम की जिम्मेदारी संभालने के बाद वह मानसिक और शारीरिक रूप से काफी थक चुके थे। हालांकि मोरक्को फुटबाल संघ ने उनसे नए कोच के चयन तक पद पर बने रहने का अनुरोध किया था। मोरक्को की टीम इस महीने दो अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच खेलेगी। टीम 27 मार्च को मैड्रिड में इक्वाडोर से भिड़ेगी, जबकि चार दिन बाद फ्रांस के लेंस में पैराग्वे के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। आगामी फीफा विश्व कप 2026 में मोरक्को को ग्रुप-ष्ट में ब्राज़ील, स्काटलैंड और हैती के साथ रखा गया है। मोरक्को के कप्तान अशरफ हकीमी ने सोशल मीडिया पर रेग्रागुई को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी नेतृत्व क्षमता, जुनून और विजन ने खिलाड़ियों के साथ-साथ पूरे देश और दुनिया भर के प्रशंसकों को प्रेरित किया।

फार्मूला वन आस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स के कार्यक्रम में बदलाव नहीं : औल्ड

मेलबर्न

खाड़ी में जारी संघर्ष के बाद भी फार्मूला वन आस्ट्रेलियन ग्रैंड प्रिक्स का आयोजन तय समय पर ही किया जाएगा। इसकी अभ्यास रेस 6 मार्च से शुरु होगी। वहीं मुख्य रेस 8 मार्च को होगी। आस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स कार्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ट्रैविस औल्ड ने कहा है कि अधिकारियों, टीम सदस्यों और ड्राइवरों पर इस संघर्ष का कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा है। ऐसे में सत्र की इस पहली रेस के कार्यक्र में बदलाव नहीं होगा। औल्ड ने माना है कि ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के करण बड़े स्तर पर उड़ानों के रद्द होने से कुछ टीमों को अपनी यात्रा योजनाएं बदलनी पड़ी हैं। इसी को देखते हुए कि फार्मूला वन टीम के अधिकारी इस प्रयास में लगे हैं कि ड्राइवर और टीम के लोग वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित रुप से मेलबर्न पहुंच सकें। औल्ड ने कहा, हर कोई रेस के लिए यहां आने तैयार है , इससे प्रशंसकों को तय

कार्यक्रम के अनुसार ही रेस देखने को मिलेगी जो उनके लिए भी राहत की बात है । उन्होंने कहा, कुछ ड्राइवर और कुछ टीम सदस्य पहले से ही आस्ट्रेलिया में हैं पर ब्रिटेन और यूरोप से कई सदस्यों को आना है जिसमें रेसर भी शामिल हैं। ऐसे में इन्हें कोई अन्य वैकल्पिक रास्ता देखना होगा। मुझे भरोसा है कि वे लोग भी इस बारे में विचार कर रहे होंगे। वहीं स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो हजार एफ वन कर्मचारियों को पश्चिम एशिया में फंसने से बचने के लिए यूरोप से मेलबर्न के लिए अपनी उड़ानों को फिर से पुर्नप्रबंधित करना होगा।

आल इंग्लैंड ओपन में लक्ष्य की जीत से शुरुआत, गत विजेता यूकी को हराया

लंदन। भारत के लक्ष्य सेन ने आल इंग्लैंड बैडमिंटन ओपन 2026 में जीत के साथ शुरुआत की है। लक्ष्य ने पुरुष एकल के अपने पहले ही मुकाबले में गत विजेता चीन के शी यूकी को 23-21, 19-21, 21-17 से पराजित कर दिया। लक्ष्य ने पुरुष सिंगल्स के पहले दौर में यूकी को एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 19-21, 21-17 से हरा दिया। लक्ष्य ने मुकाबले में शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाकर विरोधी खिलाड़ी पर दबाव बनाया। इससे लक्ष्य ने 17-10 की बढ़त ले ली पर इसके बाद शी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-17 पर ला दिया। लक्ष्य ने फिर से बेहतर खेल दिखाते हुए हुए तीन गेम अंक हासिल किए पर चीनी खिलाड़ी ने एक और मैच अंक बचाकर अपने को खेल में बनाने का प्रयास किया । दूसरे गेम में यूकी ने आक्रामक रुख अपनाया पर लक्ष्य ने 13-19 से पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी की। उनका प्रयास मैच को निर्णायक मुकाबले तक ले जाने का था पर तीसरे और अंतिम गेम में भारतीय खिलाड़ी ने जबरस्त प्रदर्शन करते हुए 16-11 की बढ़त हासिल की और चार मैच अंक बटोरे। यूकी ने एक अंक बचाया पर वह अपनी हार नहीं टाल पाये। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत की ही मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और तनिशा क्रास्टो भी जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गई है। इस जोड़ी ने मलेशिया की हू पेंग रान और चेंग सु यिन की जोड़ी को 21-17, 21-19 से हराया।

सौंदर्य

लिप मास्क थेरपी से होंठों को दें जान

चेहरे की ब्यूटी निखारने के बाद जब बात लिप्स की आती है, तो उसे खूबसूरत बनाने का महिलाओं के पास केवल एक ही जरिया होता है और वह है लिप बाम और लिपस्टिक। मगर लिप्स के लिए इन दिनों एक थेरपी खासी ट्रेंड में है और वह है लिप मास्क थेरपी। इसे किस तरह किया जाता है और इससे लिप्स को किस तरह खूबसूरत बनाया जा सकता है, जानिए...

क्या है लिप मास्क थेरपी?

आमतौर पर महिलाएं लिप्स की खूबसूरती को निखारने के लिए लिपस्टिक का इस्तेमाल करती हैं। लिपस्टिक का लगातार इस्तेमाल करने से लिप्स की नैचरल ब्यूटी कम होती चली जाती है। उनकी नमी खत्म होती जाती है और वे अपना नैचरल कलर खोने लगते हैं। अगर आप भी गुजर रही हैं कुछ ऐसी ही प्रॉब्लम्स से, तो लिप मास्क थेरपी आएगी आपके खूब काम। इस थेरपी में ऐसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है, जो आपके खोई हुई लिप्स ब्यूटी को वापस लाने में खूब काम आता है।

सिलिकॉन बेस से तैयार

इस लिप मास्क में सिलिकॉन बेस का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें कॉलेजन प्रोटीन, मिनिरल्स, हाइड्रेटिंग एजेंट, जोजोबा ऑइल वगैरह होता है, जो होंठों पर लगाया जाता है। इसे तकरीबन 10 से 15 मिनट लगाए रखते हैं और फिर पील करके उतार दिया जाता है। यह बेस होंठों को नमी देने का काम तो करता ही है, साथ ही उन नर्व्स को मजबूत करता है जो होंठों को ब्लड सकुर्लेट करती है।

क्यों होती है जरूरत?

लिपस्टिक या लिप बाम में लेड पाया जाता है, जो होंठों पर कालापन व ड्राईनैस ले आता है। लगातार लगाते रहने से लिप्स क्रैक, ड्राई और काले हो जाते हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए लिप मास्क खास काम आता है। ब्यूटीशियन के मुताबिक, इसे हफ्ते या फिर 15 दिन में एक बार करवा लेंगी, तो दो से तीन महीने में ही होंठों की नैचरल ब्यूटी वापस आ जाएगी।

लगाएं लिप मास्क

आपके लिप्स की स्किन कैसी है, इसको ध्यान में रखते हुए आप लिप मास्क थेरपी करें। होंठों के मुताबिक आपको लिप मास्क मिल जाएंगे। इसके लिए अगर आप एक बार ब्यूटीशियन से सलाह ले लें, तो आप सही तरह का लिप मास्क सिलेक्ट कर पाएंगी।

कैसे करता है काम?

यह लिप मास्क प्लेटिनम फिलर का काम करता है। बायोटीन होंठों की त्वचा को एनर्जी देता है और विटमिन होंठों के कालेपन को हल्का करते हैं। इसे कुछ देर तक होंठों पर लगाने से यह सारे तत्व अपना-अपना काम करके होंठों की खोई खूबसूरती लौटाते हैं। यह होंठों को मेकअप से आए साइड इफेक्ट्स से बचाता है। दरअसल, लिप्स में ऑयल ग्रंथियां नहीं होतीं, ऐसे में होंठों को नमी के लिए बाहरी ट्रीटमेंट की जरूरत होती है और इसमें लिप मास्क बेहद काम आता है।

सही पावर बैंक चुनेंगे तो मोबाइल की बैटरी हमेशा रहेगी फुल

तकनीक

क्या आपको भी अपने स्मार्टफोन के बैटरी बैकअप की चिंता सताती रहती है? क्या आप भी अपने फोन पर मनपसंद काम ना कर पाने से अक्सर परेशान रहते हैं। आजकल सब स्मार्टफोन में मूवी, म्यूजिक, गेम्स या फिर सोशल नेटवरकिंग साइट्स पर ज्यादा व्यस्त रहते हैं। जिसके कारण उनके स्मार्टफोन्स की बैटरी जल्दी खत्म हो जाती है। पर अब आप बेफिक्र होकर अपने सभी काम स्मार्टफोन की मदद से कर सकते हैं और वो भी बिना बैटरी की चिंता करे। आइये आज हम आपको बताते हैं पावर बैंक्स के बारे में और यह भी आपको बताएंगे कि पावर बैंक खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आज मार्केट में 3 तरह के पावरबैंक्स उपलब्ध हैं-

1. बिना डिस्प्ले एलईडी वाले- इस तरह के पावर बैंक्स में डिस्प्ले की जगह 3-4 एलईडी मौजूद होती हैं। जितनी ज्यादा एलईडी जलती है बैटरी में उतना ज्यादा पावर आता है। इस तरह के पावर बैंक्स मार्केट में ज्यादा मौजूद है और कीमत के हिसाब से किफायती भी हैं।

2. डिस्प्ले के साथ- इस प्रकार के पावर बैंक्स में एक डिजीटल डिस्प्ले होता है। इसमें बैटरी का स्टेटस दिखता है, इसके ज़रिये हम जान सकते हैं कि बैटरी में अभी कितनी पावर बची हुई है। हालांकि डिस्प्ले बैटरी का स्टेटस मालूम करने का सबसे अच्छा तरीका है लेकिन डिस्प्ले खुद बैटरी की खपत करता है। इसलिए बैटरी बैकअप में कुछ फर्क आ जाता है।

3. बिना एलईडी और डिस्प्ले वाले- ऐसे पावर बैंक में ना तो डिस्प्ले होता है और ना ही एलईडी, जिससे पता चल सके की पावर बैंक में कितनी पावर बची है। इस तरह के पावर बैंक सस्ते तो होते हैं लेकिन इस्तेमाल के लिहाज से अच्छे नहीं होते।

mAh का लोजिक: मोबाइल बैटरी और पावर बैंक्स दोनों को mAh के ज़रिये आंका जाता है। जहां अभी तक मोबाइल की बैटरी 1000 mAh से लेकर 5000 mAh तक आ रहा है, वहीं 1500 mAh से लेकर 30,000 mAh तक के पावर बैंक्स भी मार्केट में देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में आप अपनी ज़रूरत और अपने फोन की बैटरी के हिसाब से पावर बैंक चुन सकते हैं।

वैसे तो सभी कंपनियां यही दावा करती हैं कि उनका पावर बैंक जल्दी और तुरंत फोन चार्ज करता है लेकिन दावों का क्या है, इसलिए जब कभी पावर बैंक लेने की सोचें तो इन खास बातों का ज़रूर रखें।

ध्यान

» अगर आपके फोन में 2500 mAh की बैटरी है और आपके पास 10000 mAh का पावर बैंक है तो इसका मतलब ये नहीं है कि वो आपके फोन को दिन में 4 से 5 बार चार्ज कर देगा।

» आपके मोबाइल की बैटरी से कम से कम दुगनी क्षमता का पावर बैंक चुनें, जितने जयादा mAh के पावर बैंक यूज़ किया जाएगा उतनी ज्यादा बार मोबाइल को चार्ज किया जा सकेगा।

» अगर पावर बैंक में ऑटो कट फ़ीचर है तो अच्छा है क्योंकि इससे वो ओवरचार्ज नहीं होता है। और ये ज़्यादा दिन भी चलता है।

» इस बात पर भी ज़रूर ध्यान दें कि पावर बैंक का आउटपुट वोल्टेज आपके स्मार्टफ़ोन के बराबर या उससे ज़्यादा होना चाहिए।

» अगर आप भी मोबाइल पर मूवीज़, गेम, म्यूज़कि का मज़ा ज्यादा लेते हैं तो पावर बैंक लेना आपकी मजबूरी है।

ऐसे जानें पावर

जब किसी भी गैजट को चार्ज करने की बात आती है तो कैपेसिटी से ज्यादा ज़रूरी करंट खपत होती है। क्योंकि हर फोन की खपत अलग-अलग होती है, इसे भी एक बार चेक कर लें। अपने मोबाइल की करंट कैपेसिटी को जानने के लिए अपने असली मोबाइल चार्जर को चेक कर लें। यदि संभव हो सके तो 2 यूएसबी पोर्ट वाला पावर बैंक ही चुनें। इस सुविधा से आप मोबाइल जल्द चार्ज कर पाएंगे। अगर आपके मोबाइल में चार्जर आउटपुट 2.1ऐ लिखा है तो पावर बैंक 1° आउटपुट वाला ना लें, वो चार्ज करने में ज्यादा समय लेगा तो ऐसे में आप 2.1 वाला पावर बैंक ही खरीदें।

ब्रांडेड ही चुनें

यूज़र्स को लुभाने के लिए मार्केट में खूबसूरत दिखने वाले कई पावर बैंक्स मौजूद हैं लेकिन खरीदते वक्त ब्रांडेड पावर बैंक ही चुनने में ही भलाई है। सेफ्टी और परफॉर्मेंस को सुधारने के लिए ऐसा मॉडल खरीदें जो ओवर वॉल्टेज प्रोटेक्शन के साथ आता हो। जो ओवर हीटिंग और डिस्चार्ज होने की दिशा में सुरक्षा प्रदान करें। यहां बताई गई सभी बातें आपको किसी ब्रांडेड पावर बैंक में ही मिल सकती हैं। इसलिए कभी भी लोकल और सड़कों पर बिकते पावर बैंक्स को ना खरीदें। उन पर बेशक कई हज़ार द्धद्ध की बैटरी होने की बात लिखी रहती है पर असल में वो खराब क्वॉलिटी की बैटरी के अलावा कुछ नहीं होता है।

वास्तु के अनुसार सजाएं

मेहमानों का कमरा

अतिथि देवो भव भारतीय संस्कृति में अतिथि को भगवान का दर्जा दिया गया है। अतः मेहमान का स्वागत-सत्कार करने की हमारी परम्परा रही है। प्राचीन काल से चली आ रही यह प्रथा आज भी जारी है। अपने आवास का निर्माण करते समय इस बात का ध्यान रखें कि कई कमरों में एक कमरा मेहमान का होना चाहिए। वह कमरा कौन-सा हो, कहां स्थित हो आदि के बारे में वास्तुशास्त्र द्वारा निर्देश इस प्रकार हैं।

» अतिथि को ऐसे कमरे में ठहराना चाहिए, जो अत्यंत साफ व व्यवस्थित हो।

» आप गेस्टरूम को उत्तर-पश्चिम दिशा में बना सकते हैं। यह आपके मेहमानों के ठहरने के लिए सबसे सुविधाजनक दिशा है इसके अलावा दक्षिण पूर्वी दिशा में भी गेस्टरूम बना सकते हैं। उत्तर पूर्वी कोने में एक खिड़की जरूर रखना चाहिए।

» गेस्टरूम को घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं बनाना चाहिए क्योंकि यह दि?शा केवल घर के स्वामी के लिए होती है।

» मेहमान के कमरे के लिए अलग से एंट्री बनाएं। घर के बीचों-बीच ब्रह्म स्थान खाली हो, तो उत्तर की ओर सीढ़ियां बनवाकर पहली या दूसरी मंजिल पर गेस्ट रूम बनाया जा सकता है।

» अतिथि कक्ष में डेकोरेशन का खास तौर पर ख्याल रखना चाहिए। जहाँ तक हो सके कमरे की सजावट सामान्य हो इस बात का ध्यान रखें।

» मेहमान को जिस कमरे में ठहराया जाए, उस कमरे की दीवारों का रंग हल्का रखें तो बेहतर है।

» जहाँ तक हो सके गेस्टरूम में ही लेटबाथ अटैच बनाए पर यदि यह संभव नहीं हो तो कोशिश करें कि गेस्टरूम के समीप ही कॉमन लेटबाथ की व्यवस्था हो सकें। इससे आपके घर आए मेहमानों को परेशानी नहीं होगी।

» कभी भी गेस्टरूम में भारी लोहे का सामान नहीं रखना चाहिए, इस अवस्था में मेहमान तनाव महसूस कर सकता है।

» कमरे में एक ऐसी अलमारी की व्यवस्था हो, जिसके ऊपरी भाग में मेहमान अपना सामान रख सकें और नीचे के हिस्से में आप ज्यादा उपयोग में न आने वाली वस्तुएँ रख सकते हैं।

» गेस्टरूम को आप गेस्टरूम कम एक्टिविटी रूम भी बना सकते हैं। जिसमें म्यूजिक सिस्टम, होम थिएटर, कम्प्यूटर आदि भी रख सकते हैं। याद रखें इस कमरे में केवल वही सामान रखें, जिसकी जरूरत आपको रोजाना न पड़ती हो या बहुत कम पड़ती हो।

» अतिथि कक्ष में सोफासेट की व्यवस्था करना शुभ है। सोफासेट पर मैरून व हल्के रंग की चादर, दरी या कालीन बिछाएं तो अतिथि खुश रहेगा।

» यदि गेस्टरूम छोटा है तो आप फोल्डिंग बेड, सोफा कम बेड या दो अलग-अलग बेड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे कमरा भरा-भरा भी नहीं दिखेगा व सुविधायुक्त भी रहेगा।

» इस बात का ध्यान रखें कि यह कमरा अन्य बेडरूम के समीप हो, जिससे अतिथि खुद को आपसे अलग न समझ सकें।

गुस्सा डालता है आपकी सेहत पर बेहद बुरा प्रभाव

क्रोध यानी गुस्सा, यह व्यक्ति की एक ऐसी प्रकृति है। जो परिस्थितियों के मुताबिक मस्तिष्क में उत्पन्न होती है। गुस्से का परिणाम दूसरों के लिए बुरा हो या न हो, लेकिन गुस्सा करने वाले के लिए बहुत ही खतरनाक हो सकता है। क्रोध को हमारे शरीर और सेहत के लिए सबसे बड़ा शत्रु बताया गया है। इसकी वजह से कई बार रिश्ते भी टूट जाते हैं। अगर आपको छोटी-छोटी बातों पर भी गुस्सा आ जाता है तो इस पर काबू करें। वर्ना यह आपकी जिंदगी में कई तरह से जहर घोल सकती है।

स्वास्थ्य पर असर

वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययनों के मुताबिक, क्रोध आने पर मस्तिष्क में ऐसे रासायनिक तत्व बनते हैं, जिनका शरीर और मन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आंखें लाल हो जाती हैं तथा हार्ट में जलन हो सकती है। ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। आक्रमक भावनाएं उत्पन्न होती हैं। सोच-समझने की शक्ति कमजोर हो जाती है। तनाव बढ़ता है। लगातार क्रोध करने से पाचन तंत्र कमजोर होता है, जिससे एसिडिटी, कब्ज, भूख नहीं लगना जैसे रोग हो सकते हैं। क्रोध से नींद नहीं आती, जिससे पूरे स्वास्थ्य पर बुरा असर होता है।

क्रोध को पहचानें

सलाह

क्रोध को काबू करने के लिए उसे पहचानने की जरूरत होती है। लोगों को टाइप ए और टाइप बी पर्सनालिटी के आधार पर पहचानें। टाइप ए पर्सनालिटी के लोग वे होते हैं। जिनकी किसी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा ज्यादा तीव्र होती है। ऐसे लोगों को गुस्सा बहुत जल्दी आता है, वह जल्द ही धैर्य खो बैठते है। आप भी इस श्रेणी में आ सकते हैं, अगर आपमें धैर्य की कमी, खाना जल्दी खाना, बैचेनी, काम-काज के दौरान चिड़चिड़ापन, गुस्से के दौरान खुद को नुकसान पहुंचाना आदि ।।

क्रोध पर काबू करने के 4 तरीके

- गुस्से को काबू में करने का यह सबसे बेहतरीन तरीका माना जाता है जो काफी मुश्किल होता है। आप चुप रहे और कुछ भी ना बोले। इससे व्यक्ति गुस्सा आने की स्थिति से बच जाता है।
- योग और ध्यान का सहारा लेना गुस्से पर काबू पाने के लिए लिहाज से काफी फायदेमंद होता है। इसलिए रोजाना ध्यान करने से गुस्से पर हमेशा के लिए काबू पाया जा सकता है। ध्यान से एक व्यक्ति का जीवन शांत और संतुलित हो जाता है और गुस्से पर काबू पा लेता है।
- जहां भी लड़ाई या गुस्से की स्थिति बन रही हो । आप उस जगह से तुरंत हट जाए। इससे व्यर्थ विवाद नहीं होगा और आप गुस्से से भी बच जाएंगे। विवाद या बहस की स्थिति में उस जगह पर रहना क्रोध का कारण बन जाता है।
- जब आपको क्रोध आए तो अपनी आंखों और कानों को बंद कर ले। इससे ये होगा कि लड़ाई जिन कारणों से भी हो रहा है उसे आप ना तो सुन पाएंगे और ना ही देख सकेंगे। इसलिए आपको गुस्सा बिल्कुल भी नहीं आएगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**